दैनिक समाचार पत्र

मरूधर आवाज़

RNI No-RAJHIN/2021/81002

एक रास्ता सच्चाई की ओर...

2

वर्षः 1 | अंकः 244 | दैनिक प्रातः कालीन | जयपुर, गुरुवार , 14 जुलाई, 2022 | पृष्ठः 6 | मूल्यः 2 रुपए मात्र

मुर्मू के स्वागत कार्यक्रम में भिड़े किरोड़ी-राठौड़

एंट्री नहीं देने पर उपनेता प्रतिपक्ष को सुनाई खरी-खोटी

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के स्वागत कार्यक्रम में एंट्री को लेकर बीजेपी के वरिष्ठ नेता आपस में भिड़ गए। बीजेपी के राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा ने आदिवासी जिलों के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम में एंट्री नहीं देने पर उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ को जमकर खरी-खोटी सुनाई। जवाब में राठौड़ ने भी किरोड़ी को लहजा सुधारने की नसीहत दी। काफी देर तक दोनों नेताओं के बीच बहस चलती रही। मामला इतना बढ़ गया कि केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बीच-बचाव कर मामला शांत करवाया। वहीं, कांग्रेस ने भाजपा नेताओं की आपसी तकरार पर चुटकी ली है। असल में होटल क्लार्क्स आमेर में द्रौपदी मुर्मू के स्वागत कार्यक्रम में केवल उन्हीं नेताओं को एंट्री दी जा रही थी, जिनके पास बने हुए थे। किरोड़ीलाल आदिवासी जिलों के कुछ नेताओ-कार्यकर्ताओं के साथ स्वागत के लिए पहुंचे थे।

पहले एयरपोर्ट, फिर होटल में सुनाई खरी-खोटी

विवाद की शुरुआत एयरपोर्ट पर ही हो गई थी। किरोड़ीलाल मीणा के साथ आए आदिवासी नेताओं को पास नहीं होने का हवाला देकर कार्यक्रम में एंट्री नहीं देने की बात कही तो किरोड़ी भड़क गए। एयरपोर्ट पर ही बीजेपी के कुछ नेताओं को खरी खोटी सुनाई और यहां तक कह दिया कि चाटुकारों की भीड़ इकट्ठा कर रखी है। सैकड़ों किलोमीटर से चलकर आने वालों से पास पूछ रहे हैं। उनके साथ आए कार्यकर्ताओं को जब एंट्री गेट पर रोका गया तो वे नाराज हो गए। किरोड़ीलाल आदिवासी नेताओं को अंदर लेकर पहुंच गए। इस दौरान कुछ नेताओं ने बीजेपी का झंडे ले रखा था। इस पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र ने झंडा बाहर रखने को कहा। शेखावत ने बीजेपी के पक्ष में नारेबाजी नहीं करने की भी नसीहत दे दी। इसके बाद किरोड़ीलाल और राजेंद्र राठौड़ के बीच हॉट टॉक हो गई।

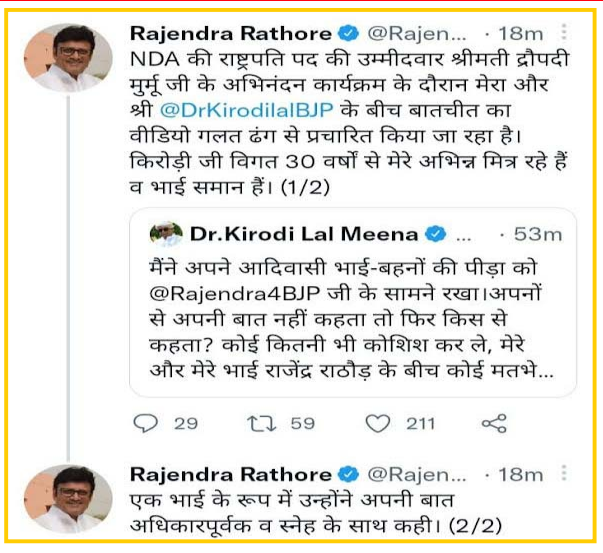

गुस्सा स्वाभाविक था, राठौड़ से मतभेद नहीं

इस घटना के बाद सांसद किरोड़ीलाल मीणा ने ट्वीट कर सफाई दी कि आदिवासी कार्यकर्ताओं को रोकने पर गुस्सा स्वाभाविक था, राजेंद्र राठौड़ से मतभेद नहीं है। किरोड़ी ने लिखा कि एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मूजी के अभिनंदन के लिए डूंगरपुर-बांसवाड़ा व अन्य सुदूर इलाकों से जयपुर आए आदिवासी कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम में प्रवेश नहीं मिला तो मेरे जैसे भावुक व्यक्ति को गुस्सा आना स्वाभाविक था। मैंने अपने आदिवासी भाई-बहनों की पीड़ा को राजेंद्र राठौड़ के सामने रखा। अपनों से अपनी बात नहीं कहता तो फिर किस से कहता। कोई कितनी भी कोशिश कर लेए मेरे और मेरे भाई राजेंद्र राठौड़ के बीच कोई मतभेद नहीं है, मनभेद होने का तो प्रश्न ही पैदा नहीं होता।

डोटासरा का शायराना तंज

किरोड़ी-राठौड़ के बीच हुई झड़प पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शायराना अंदाज में तंज कसा है। डोटासरा ने दोनों की झड़प का वीडियो शेयर करते हुए ट्वीट किया 'बने हैं सब 'कुसी' के दावेदार, उछाल कीचड़ कैसी ललकार, बढ़ रही है भाजपाई तकरार, जनता से नहीं इन्हें कोई सरोकार'।

सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों में चले लात-घूंसे

जोधपुर। मामूली बात पर सरकारी हॉस्पिटल के दो सीनियर डॉक्टर मारपीट पर उतर आए। दोनों में जमकर लात-घूंसे चले और लड़ते-लड़ते बेड पर गिर गए। यह हंगामा जोधपुर के पावटा सैटेलाइट हॉस्पिटल में सोमवार दोपहर 2 बजे का है। डॉक्टरों को लड़ता देख ओपीडी में मौजूद स्टाफ ने वीडियो बना लिया। इसका वीडियो मंगलवार से वायरल हो रहा है। हॉस्पिटल में सीनियर डॉक्टर पंकज भट्ट की इमरजेंसी वार्ड में ड्यूटी लगी थी। वे ओपीडी में बैठे थे। ओपीडी में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर मृदुल राठौड़ उनके पास गए। दोनों में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। डॉ. मृदुल राठौड़ ने पंकज भट्ट को थप्पड़ मार दिया। गुस्से में डॉ. पंकज भट्ट भी उठकर डॉ. मृदुल पर टूट पड़े। बात इतनी बढ़ी कि स्टाफ की मौजूदगी में ही दोनों एक-दूसरे के लात-घूंसे मारने लगे। मौजूद स्टाफ ने दोनों को बड़ी मुश्किल से अलग किया। बड़ी बात ये है कि दोनों डॉक्टर काफी सीनियर हैं और मेडिकल ऑफिसर हैं। पावटा सैटेलाइट अस्पताल में उस वक्त मरीजों की भीड़ थी। दोनों डॉक्टरों की लड़ाई से अस्पताल में हंगामा हो गया।

एबीवीपी-एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

आईपीडी टावर भूमि अधिग्रहण के विरोध में दिया धरना

❐ मरूधर आवाज

जयपुर। जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में बनने वाले आईपीडी टावर को लेकर विरोध शुरू हो गया है। दरअसल, आईपीडी टावर के लिए महाराजा कॉलेज की 10000 वर्ग मीटर जमीन अधिग्रहण प्रस्तावित है। जिसे रोकने के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों ने जहां टोंक रोड पर धरना देकर महाराजा कॉलेज की जमीन अधिग्रहण का विरोध किया। वहीं एनएसयूआई

कार्यकर्ताओं ने महाराजा कॉलेज के बाहर धरना देकर सरकार से जमीन आवासि का फैसला वापस लेने की मांग की। इस दौरान छात्रों का बढ़ता विरोध प्रदर्शन देख मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने एबीवीपी और एनएसयूआई के दो दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। जिसके बाद छात्र नेताओं ने सरकार के खिलाफ उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय मंत्री होशियार मीणा ने कहा कि गहलोत सरकार तानाशाही कर रही है। शिक्षा के मंदिर की जमीन 1 इंच भी नहीं दी जाएगी। चाहे इसके लिए हमें जेल ही क्यों ना जाना पड़े। होशियार ने कहा कि आज भी हम शांतिप्रिय तरीके से विरोध कर रहे थे। लेकिन सरकार के दबाव में आकर पुलिस ने बेवजह एबीवीपी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया है। लेकिन हम डरेंगे नहीं बल्कि पुरजोर विरोध करेंगे। वहीं एनएसयूआई के इकाई अध्यक्ष अमरदीप परिहार ने कहा कि सरकार आईपीडी टावर के नाम पर महाराजा कॉलेज की 10000 वर्ग मीटर जमीन अवासि करना चाहती है। लेकिन हम किसी भी सूरत में ऐसा नहीं होने देंगे। अमरदीप ने कहा कि महाराजा कॉलेज सिर्फ शिक्षा का मंदिर ही नहीं। बल्कि जयपुर की विरासत है। ऐसे में जब तक सरकार जमीन अधिग्रहण का आदेश वापस नहीं लेगी। हमारा आंदोलन जारी रहेगा। गौरतलब है कि सरकार की ओर से राजस्थान के सबसे पुराने कॉलेज महाराजा कॉलेज और गोखले हॉस्टल की करीब 10 हजार से ज्यादा वर्गमीटर जमीन को आईपीडी टावर के लिए अधिग्रहण करने की योजना बनाई गई है। इसको लेकर विभागीय स्तर पर सभी तैयारियां भी पूरी कर ली।

दो दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का समापन

भीलवाड़ा। संगम विश्वविद्यालय की आइ.क्यू.ए.सी विभाग द्वारा दो दिवसीय शिक्षक विकास कार्यशाला का आयोजन विधि-विधान सरस्वती की पूजा अर्चना और विश्वविद्यालय कुलगीत के साथ किया गया ।प्रथम दिन उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. सत्यनारायण, प्राचार्य गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज रामचंद्रपुरम, अंद्रप्रदेश थे ,कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर करुणेश सक्सेना ने की ,विशिष्ट अतिथि के तौर पर संगम विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार प्रोफेसर राजीव मेहता और आइक्यूएसी हेड प्रोफेसर प्रीति मेहता तथा शोध निदेशक प्रोफेसर राकेश भंडारी ने की । आइक्यूएसी डायरेक्टर प्रोफेसर प्रीति मेहता ने बताया कि प्रथम दिन के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता के तौर पर डॉ सत्यनारायण ने अपने उद्बोधन में बताया कि राष्ट्रीय स्तर मूल्यांकन में गुणवत्ता के स्तर को बढ़ाने में किसी भी संस्थान के फैकेल्टी मेंबर की गुणवत्ता बढ़ाने में व्याख्याताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है । इसके लिए उन्हें निरंतर अपना बौद्धिक एवम कौशल विकास करना होगा ।प्रथम दिन के द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता कुलपति प्रोफेसर करुणेश सक्सेना थे जिन्होंने उपस्थित व्याख्याताओं को उनके रिसर्च की गुणवत्ता को बढ़ाने के विभिन्न आयामों पर चर्चा की साथ ही यह भी बताया कि एक शिक्षक का रिसर्च वर्क यदि बढ़ता है तो उससे विश्वविद्यालय का उच्च गुणवत्ता युक्त होना स्वाभाविक है उच्च शिक्षा के विभिन्न मानकों में शोध का बहुत अधिक महत्व होता है उस शोध के कार्य में शिक्षकों को निरंतर लगा रहना चाहिए हालांकि यह प्रक्रिया 1 दिन की नहीं है तथापि निरंतर करने से एक दिन विश्वविद्यालय गुणवत्ता के उच्च मानकों पर पहुंच जाता है । दो दिवसीय शिक्षक विकास कार्यशाला के दूसरे दिन के सत्र के मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता प्राचार्य डॉ शशि सच्ची हार रिटायर प्राचार्य मीरा गर्ल्स कॉलेज उदयपुर थी ,कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर करुणेश सक्सेना ने की !

तीसरे और समापन सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. शशि संचीहर रिटायर प्रिंसिपल मीरा गर्ल्स कॉलेज उदयपुर ने अपने महाविद्यालय में नेक का ए ग्रेड लाने की प्रक्रिया और अनुभव व्याख्याताओं से शेयर किया साथ ही उन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ध्यान आकृष्ट किया जिसकी वजह से हम या कोई भी शैक्षणिक संस्थान नेक विजिट में ए ग्रेड ला सकता है !डॉ शशि ने बताया कि कोई भी शैक्षणिक संस्थान उस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है अत: उसे सामाजिक सरोकार से संबंधित कार्य निरंतर करने चाहिए और उस कार्य में महिलाओं की भूमिका को भी सुनिश्चित करना चाहिए ।

इस दो दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में विश्वविद्यालय के सभी डीन,डिप्टी डीन,असिस्टेंट प्रोफेसर ,एसोसिएट प्रोफेसर ,प्रोफेसर आदि उपस्थित थे ! समापन सत्र का संचालन असिस्टेंट डीन डॉ. निधि भटनागर ने किया !

क्या आपके क्षेत्र की समस्या को प्रशासन द्वारा किया जा रहा है नजरअंदाज ?

अब जनता की आवाज बनेंगे हम

आपके क्षेत्र की सभी छोटी बड़ी समस्याएं जिन्हें प्रशासन द्वारा नजरअंदाज किया जा रहा है

हमें बताए नीचे दिए गए नंबर पर वॉट्सएप करे
6367718601

मरुधर आवाज दैनिक हिंदी समाचार पत्र

पानी के बकाया बिलों की राशि एकमुश्त जमा कराने पर ब्याज एवं शास्ति में 30 सितंबर तक छूट

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने पानी के बकाया बिलों की राशि एकमुश्त जमा कराने पर ब्याज एवं शास्ति में शत- प्रतिशत छूट की अवधि 30 जून, 2022 से बढाकर 30 सितंबर, 2022 तक करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस छूट के लिए सभी उपभोक्ता पात्रा होंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने वर्ष 2022-23 के बजट में 31 दिसम्बर, 2021 तक के बकाया पानी के बिलों को एकमुश्त जमा कराने पर ब्याज एवं शास्ति में शत प्रतिशत छूट देने की घोषणा की थी। इस छूट की समयावधि 31 मार्च, 2022 तक थी, आमजन की मांग पर छूट की अवधि 30 जून, 2022 तक ब?ाने का निर्णय किया गया था। प्रदेशवासियों को इस योजना का अधिक से अधिक लाभ देने के लिए छूट की समयावधि को ब?ाकर अब 30 सितंबर, 2022 तक किया गया है।

साइबर सिक्योरिटी पर टेक्नो हब में गुरूवार को आयोजित होगी कार्यशाला

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की ओर से गुरूवार को टेक्नो हब, जयपुर में साइबर सिक्योरिटी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक करने व साइबर सुरक्षा पर विस्तृत चर्चा करने के लिए आयोजित की जा रही है। सूचना एवं प्रौद्योगिकी आयुक्त श्री आशीष गुप्ता कार्यशाला को संबोधित करेंगे। श्री शरत कविराज, आई.जी, एस.सी.आर.बी, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे। कार्यशाला में सुरक्षाओं, वित्तीय धोखाध?ी और सोशल मीडिया अपराधों से लेकर अपराध जांच में गेम चेंजिंग तकनीकों तक के व्यापक विषयों पर सत्र होंगे। कार्यशाला के अंत में साइबर सुरक्षा डोमेन में कुछ स्टार्टअप को अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

प्रदेश के 35 उच्च माध्यमिक विद्यालयों में खुलेंगे कृषि संकाय

मुख्यमंत्री ने प्रत्येक में एक-एक व्याख्याता कृषि के पद सृजन की दी स्वीकृति

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। प्रदेश के 35 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कृषि संकाय खोले जाएंगे। इससे 11वीं व 12वीं के विद्यार्थियों को कृषि की पढाई करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कृषि संकाय खोले जाने और प्रत्येक विद्यालय में 1-1 व्याख्याता कृषि का पद सृजित करने की स्वीकृति दी है। प्रस्ताव के अनुसार, बीकानेर जिले के 4, जयपुर, झुंझुनूं व नागौर जिले के 3-3, अलवर, दौसा, राजसमंद, सवाई माधोपुर, श्रीगंगानगर व टोंक जिले के 2-2 और बाडमेर, बांसवाडा, भरतपुर, चित्तौड़गढ, चुरू, धौलपुर, हनुमानगढ, जैसलमेर, करौली एवं सीकर जिले के 1-1 उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कृषि संकाय संचालित होंगे। प्रत्येक विद्यालय में एक-एक कृषि व्याख्याता का पद भी सृजित होगा। इस स्वीकृति से विज्ञान संकाय वाले 35 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कृषि संकाय संचालित होंगे। विद्यार्थियों को कृषि उद्यानिकी एवं कृषि वानिकी के क्षेत्र में अध्ययन का विकल्प मिलेगा। कृषि संकाय से पढने वाले विद्यार्थी अपने किसान परिवार को भी नई कृषि तकनीक के बारे में जानकारी दे सकेंगे। साथ ही कृषि क्षेत्र में रूचि बढेगी और कृषि रोजगार की संभावनाओं में बढोतरी होगी।

गुरु पूर्णिमा पावन पर्व पर पाराशर समाज जयपुर द्वारा गुरु पूर्णिमा का पूजन चौड़े रास्ते स्थित श्री तारकेश्वर मंदिर में किया गया

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरु पूर्णिमा पावन पर्व पर दिनांक 13.07.2022 को पाराशर समाज जयपुर द्वारा गुरु पूर्णिमा का पूजन चौड़े रास्ते स्थित श्री तारकेश्वर मंदिर में किया गया जयपुर ग्रामीण अध्यक्ष दिलीप पाराशर व कार्यकारणी द्वारा भगवान जगत गुरु वेद व्यास जी महाराज की पूजा अर्चना कर प्रसाद का भोग लगा कर प्रसाद वितरण किया गया । इस कार्यक्रम में उपस्थित महर्षि पाराशर महापरिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव जी पाराशर राष्ट्रीय प्रवक्ता मुकुट पाराशर गोविंद पाराशर महापरिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रशांत पाराशर परेश पाराशर माया पाराशर विजय पाराशर विक्रांत पाराशर प्रिया पाराशर एवं सैकड़ो समाज बंधुओं की इस कार्यक्रम में उपस्थिति रही।

आमेर रोड के फाइव स्टार होटल में एक्सपाइरी डेट की खाद्य सामग्री, होगी कार्रवाई

जयपुर। जयपुर हैरिटेज नगर निगम की महापौर मुनेश गुर्जर ने बुधवार को आमेर रोड स्थित पांच सितारा होटल में सुरक्षा व्यवस्था और खाद्य सामग्री का ओचक निरीक्षण किया। इस दौरान होटल की बेकरी में एक्सपाइरी डेट की सामग्री उपयोग में ली जा रही थी इसके अलावा टमाटर, धनिया, प्याज, लोकी, फूल गोभी और पत्ता गोभी भी खराब मिली महापौर ने अफसोस जताया और कहा पांच सितारा होटल में इस तरह की खाद्य सामग्री उपयोग में ली जाती है उन्होंने निगम के मुख्य स्वास्थ अधिकारी को होटले के खिलाफ क?ी कार्रवाई के निर्देश दिए गुर्जर ने रसोई में गंदगी पर भी नाराजगी व्यक्त की और होटल प्रबंधक को निर्देश दिए इस तरह की कोताही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हर घर तिरंगा" अभियान से प्रदेश के हर नागरिक को जोड़ने की भावना के साथ करें व्यापक तैयारियां -प्रमुख शासन सचिव ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती अपर्णा अरोरा ने स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर हर घर पर राष्ट्रीय ध्वज लगाए जाने सम्बन्धी राष्ट्रीय अभियान ''हर घर तिरंगा'' को प्रदेश में पूरी सफलता से क्रियान्वित करने के लिए व्यापक तैयारियां करने के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने 11 से 17 अगस्त तक चलाए जाने वाले इस अभियान की तैयारियों के सम्बन्ध में बुधवार को यहां से सभी संभागीय आयुक्तों एवं जिला परिषदों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से चर्चा की एवं निर्देश प्रदान किए। श्रीमती अरोरा ने कहा कि यह अभियान कोई आम अभियान नहीं होकर पूरे राष्ट्र के लिए एक भावनात्मक अवसर है। इस अवसर के प्रति हर स्तर पर लोगों को जागरूक करते हुए उन्हें इस अभियान से दिल से जु?ने और अपने-अपने घरों, प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करें। साथ ही अधिक से अधिक भामाशाहों, जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों का इसमें सहयोग प्राप्त करने का प्रयास करें। ग्रामीण क्षेत्र के अलावा नगरीय क्षेत्रों में भी राजकीय कार्यालयों, व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों पर अभियान के दौरान तिरंगा फहराया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि लोगों को झण्डा लगाने के लिए प्रेरित करते समय झण्डा संहिता की आधारभूत बातों की जानकारी भी दी जाए। उन्हें बताया कि जाए कि किस प्रकार घरों एवं प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराया जाए एवं अभियान के बाद उसे ससम्मान उतारकर सहेजा जाए। शासन सचिव पंचायती राज श्री नवीन जैन ने एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अभियान की विस्तृत जानकारी दी। श्री जैन ने अपने प्रस्तुतीकरण में प्रदेश में अभियान के प्रति जनजागरूकता बढाने, झण्डों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, संशोधित झण्डा संहिता, झण्डे के आकार-प्रकार की जानकारी आमजन को देने सहित स्कूली विद्यार्थियों, राजीविका, आंगनबा?ी, एनजीओ, ई-मित्र, सार्वजनिक वाहन, टोल प्लाजा, जनसंचार माध्यमों एवं सोशल मीडिया के उपयोग सहित विभिन्न माध्यमों से इस अभियान के प्रति प्रेरक माहौल बनाने के साधन सुझाए। इस अवसर पर शासन सचिव ग्रामीण विकास श्री के.के.पाठक ने राज्य स्तर पर भी इस अभियान के लिए विशेष मीडिया कैम्पेन चलाए जाने, सार्वजनिक पार्कों में ध्वजारोहण, 8 अगस्त को प्रभातफेरी आयोजन के समय भी अभियान के प्रचार-प्रसार का सुझाव दिया। इस वीडियो कांफ्रेंस में राज्य मिशन निदेशक राजीविका श्रीमती मंजू राजपाल, पंचायती राज विभाग की निदेशक डॉ.प्रतिभा सिंह एवं विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ग्राम विकास अधिकारी सीधी भर्ती मुख्य परीक्षा का मास्टर प्रश्न पत्र तथा उत्तर कुंजी जारी

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से 09 जुलाई, 2022 को आयोजित ग्राम विकास अधिकारी सीधी भर्ती (मुख्य परीक्षा)-2021 का मास्टर प्रश्न पत्र तथा इसकी प्रारंभिक उत्तर कुंजी बोर्ड की वेबसाइट www.rsmssb.rajasthan.gov.in पर जारी कर दी गयी है। किसी परीक्षार्थी को प्रश्न पत्र में किसी प्रश्न अथवा इसके उत्तर के संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह निर्धारित शुल्क के साथ 15 जुलाई, 2022 को मध्य रात्रि 00ः01 बजे से 17 जुलाई, 2022 को 23ः59 बजे तक अपनी ऑनलाईन आपत्ति बोर्ड की वेबसाईट पर दर्ज करवा सकता है। परीक्षार्थियों को परीक्षा में अलग-अलग सेट के प्रश्न पत्र उपलब्ध कराये गये हैं। अपलोड किये गये मास्टर प्रश्न पत्र में उनको उपलब्ध कराये गए प्रश्न पत्र के सभी प्रश्न अलग-अलग क्रमांक पर सम्मिलित हैं। उनके प्रश्न पत्र में किसी प्रश्न के उत्तर के दिये गये विकल्पों का क्रम भी अपलोड किये गये मास्टर प्रश्न पत्र के प्रश्न के उत्तर के विकल्पों में भिन्न क्रम में हो सकता है। वे बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड किये गये मास्टर प्रश्न पत्र की प्रश्न संख्या व उत्तर के विकल्पों के क्रम के आधार पर ही अपनी आपत्तियाँ दर्ज करें। बोर्ड द्वारा प्रत्येक आपत्ति का शुल्क 100 रूपये निर्धारित किया गया है। आपत्ति के लिए परीक्षार्थी बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध ऑनलाइन आपत्ति के लिंक पर जाकर अपनी स्ह्ल आईडी के माध्यम से ई-मित्र पेमेन्ट गेट-वे या ई-मित्र कियोस्क पर शुल्क का भुगतान कर सकता है। भुगतान के लिए सर्विस चार्जेज ई-मित्र द्वारा अलग से वसूल किया जायेगा। शुल्क के अभाव में आपत्तियां स्वीकार नहीं की जायेंगी।

ऑनलाईन आपत्तियों का लिंक 17 जुलाई, 2022 रात्रि 23ः59 बजे तक ही उपलब्ध है, इसके पश्चात् लिंक निष्क्रिय हो जाएगा। अन्य किसी माध्यम से अथवा निर्धारित तिथि के बाद भेजी गई आपत्तियाँ स्वीकार नहीं की जायेंगी। आपत्तियां केवल एक बार ही ली जाएंगी। आपत्तियों के लिये पोर्टल पर मानक एवं प्रमाणिक पुस्तकों के प्रमाण ही संलग्न करें। ऐसे प्रमाण के प्रत्येक पृष्ठ पर अपना रोल नम्बर और संबंधित प्रश्न की क्रम संख्या लिखकर अपलोड करें। संदर्भ में पुस्तक का नाम लेखक या लेखकों के नाम, प्रकाशक का नाम, संस्करण वर्ष और पृष्ठ संख्या भी लिखा जाना आवश्यक है। वांछित प्रमाण संलग्न नहीं होने की स्थिति में आपत्तियों पर विचार नहीं किया जायेगा। परीक्षार्थी द्वारा आपत्ति शुल्क के पेटे अधिक जमा कराई गई राशि का किसी भी स्थिति में रिफण्ड नहीं होगा। अतः वे आवश्यकतानुसार देय शुल्क ही जमा कराएं।

20 जिलों की नवीन 28 आईटीआई में 641 पदों का सृजन

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के 20 जिलों के नवीन 28 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में विभिन्न संवर्गों के 641 पदों के सृजन के लिए स्वीकृति प्रदान की है।

श्री गहलोत के निर्णय से मंडोर-जोधपुर, आगोलाई-जोधपुर, भीम-राजसमंद, खमनौर-राजसमंद, भणियाणा-जैसलमेर, फतेहगढ-जैसलमेर, करेडा-भीलवाडा, हमीरगढ-भीलवाडा, कठूमर-अलवर, माडण-अलवर, नदबई-भरतपुर, उच्चैन-भरतपुर, वैर-भरतपुर, कानोड बल्लभनगर-उदयपुर, सराडा-उदयपुर, सरदारशहर-चूरू, सादुलशहर-श्रीगंगानगर, मंडावा-झुंझुनूं, भादरा-हनुमानगढ, अराई-अजमेर, बगरू-जयपुर, हिण्डोली-बूंदी, निवाई-टोंक, टोडाभीम-करौली, सावा-चित्तौडगढ, परबतसर-नागौर, समदडी-बाडमेर एवं बौंली, बामनवास-सवाईमाधोपुर में स्थित संस्थानों में विभिन्न संवर्गों पर कार्मिकों की नियुक्ति हो सकेगी। इन संस्थानों में लगभग 8 व्यवसाय (ट्रेड) एवं 16 यूनिट संचालित होंगी।

नवीन राजकीय आईटीआई में अधीक्षक, समूह अनुदेशक, व्यवसाय अनुदेशक, इंजीनियर ड्राईंग अनुदेशक, विज्ञान अनुदेशक, कम्प्यूटर लैब अनुदेशक, एम्प्लॉयबिलिटी स्किल अनुदेशक, लिपिक ग्रेड-प्रथम, लिपिक ग्रेड-द्वितीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सहित विभिन्न पद सृजित होंगे। गहलोत के इस निर्णय से इन क्षेत्रों के युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। प्रशिक्षण प्राप्त कर युवा स्वरोजगार साथ ही विभिन्न कंपनियों में भी रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों में नवीन आईटीआई खोले जाने के लिए बजट घोषणा की थी। इन नवीन राजकीय आईटीआई के भवन निर्माण के लिए पूर्व में ही विभिन्न कार्यकारी एजेंसियों को नियुक्त कर निर्माण के लिए स्वीकृति जारी की जा चुकी है।

हाउसिंग बोर्ड ने रचा नया इतिहास

राजस्थान के सबसे बडे ई-ऑक्शन में मिली सफलता, 408 करोड का व्यावसायिक भूखण्ड बिका 488 करोड में, मण्डल ने एक ही दिन में 513.60 करोड के किये आज ई-ऑक्शन, यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल और आवासन आयुक्त पवन अरोडा की नई सोच लाई रंग, किसी भी विभाग द्वारा राजस्थान एवं सम्भवतः देश में भी यह भूखण्ड का अब तक का सबसे बडा ई-ऑक्शन

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। राजस्थान आवासन मण्डल ने एक बार फिर नया इतिहास रचा है। मण्डल को मानसरोवर आवासीय योजना में 408 करोड रूपये न्यूनतम बोली मूल्य वाले व्यावसायिक भूखण्ड को 488 करोड रूपये में बेचने में बुधवार को बडी सफलता हाथ लगी है। मण्डल की इस अतुलनीय कामयाबी पर नगरीय विकास मंत्री श्री शांति धारीवाल, मुख्य सचिव श्रीमती ऊषा शर्मा और प्रमुख शासन सचिव श्री कुंजीलाल मीणा ने आवासन आयुक्त श्री पवन अरोडा और उनकी टीम को फोन पर बधाई दी है। आवासन आयुक्त श्री पवन अरोडा ने बताया कि मानसरोवर के वी.टी. रोड और अरावली मार्ग के मध्य 45 हजार 632 वर्ग मीटर के इस भूखण्ड का आवासन मण्डल ने 89 हजार 500 रूपये प्रति वर्ग मीटर न्यूनतम बोली मूल्य निर्धारित किया था।

लेकिन मॉल के क्षेत्र में देश की जानी-मानी कम्पनियों-पैसेफिक मॉल और फिनिक्स मॉल के बीच होड में आखिरकार पैसेफिक मॉल ने 1 लाख 7 हजार रूपये प्रति वर्ग मीटर की बोली लगाकर खरीदने में सफलता प्राप्त की।

मॉल निर्माण के क्षेत्र में यह दोनों ही कम्पनियां विशेषज्ञता रखती है और मुम्बई, दिल्ली, लखनऊ और गाजियाबाद जैसे शहरों में इनके पहले से ही कई मॉल संचालित है। श्री अरोडा ने बताया कि एशिया की सबसे बडी आवासीय योजना के रूप में पहचानी जाने वाली मानसरोवर योजना में एक भी बडा मॉल या मल्टीप्लेक्स नहीं है। आवासन मण्डल ने इस ओर ध्यान दिया और वाणिज्यिक भूखण्ड संख्या-21 को मॉल एवं मल्टीप्लेक्स के ई-ऑक्शन के लिये नियोजित किया। प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास श्री कुंजीलाल मीणा की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट कमेटी ने करीब डेढ माह पहले ही इतने बडे भूखण्ड के ऑक्शन के प्रस्ताव को हरी झंडी दी थी। आवासन आयुक्त ने बताया कि मण्डल इस भूमि के समीप ही सिटी पार्क और फाउन्टेन स्क्वायर विकसित कर रहा है। इससे मानसरोवर के विकास को भी गति मिलेगी।

श्री अरोडा ने बताया कि एक मार्केटिंग स्ट्रेटजी के साथ इस व्यावसायिक भूखण्ड के सफल ई-ऑक्शन की रणनीति तैयार की गई थी और अधिक से अधिक मूल्य मिले इसके लिये पूरे देश में व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। देश की 10 ब?ी कम्पनियों ने इस भूखण्ड को प्राप्त करने में रूचि दिखाई लेकिन अंतिम दौर तक पैसेफिक मॉल और फिनिक्स मॉल के बीच प्रतिस्पर्द्धा चली। आवासन आयुक्त ने बताया कि राजस्थान का एवं सम्भवतः देश में किसी भी सरकारी विभाग का यह सबसे अधिक मूल्यवान ई-ऑक्शन है।

प्रदेश में इससे पहले वर्ष 2006-07 में जेडीए ने एक ही दिन में 92 करोड रूपये की सम्पत्ति बेची थी। राजस्थान आवासन मण्डल पूर्व में एक ही दिन में 123 करोड रूपये की सम्पत्ति के बेचान का रिकॉर्ड बना चुका है।

4 फार्म हाउस भी बिके

आवासन आयुक्त ने बताया कि मण्डल को आज ही एक अन्य महत्वपूर्ण कामयाबी मानसरोवर में फार्म हाउस के 4 भूखण्डों के ई-ऑक्शन में भी मिली। सेक्टर-4, एस.एफ.एस., फनकिंग्डम के पास, बीटू बाईपास के समीप यह फार्म हाउस लगभग 23 करोड रूपये में बिके।

एक ही दिन में 513.60 करोड की सम्पत्तियां विक्रय की

आज के दिन बडे व्यावसायिक भूखण्ड, फार्म हाउस तथा बुधवार नीलामी उत्सव को मिलाकर आवासन मण्डल ने 513.60 करोड रूपये की सम्पत्तियां विक्रय करने का एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम किया है।

भूखण्ड की सफल नीलामी प्रदेश की असाधारण घटना - आवासन आयुक्त

आवासन आयुक्त श्री पवन अरोडा ने इस शानदार सफलता पर मण्डल की टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह लोगों में आवासन मण्डल के प्रति बढते भरोसे का परिणाम है। उन्होंने मण्डल में दिखाए गए भरोस के लिये नगरीय विकास मंत्री श्री शांति धारीवाल और प्रमुख शासन सचिव श्री कुंजीलाल मीणा का भी आभार व्यक्त किया।

मादक पदार्थ एम.डी सहित दो तस्करों को दबोचा आरोपियों के कब्जे से 3.75 ग्राम एमडी बरामद

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट की सीएसटी टीम ने ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वैशाली नगर में दो तस्करों को गिरफ्तार किया हैं पुलिस ने उनके कब्जे से 3.75 ग्राम एमडी बरामद की हैं डीसीपी (उत्तर) परिस देशमुख ने बताया कि जयपुर शहर में अवैध नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे इस पर एडिशनल डीसीपी सुलेश चौधरी, थानाधिकारी खलील अहमद के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था। टीम ने कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी कार्तिक राठौड़ कल्याण कॉलोनी खातीपुरा वैशाली नगर और करणी वाटिका गोकुलपुरा करधनी निवासी युधिष्ठर सिंह हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 3.75 ग्राम एमडी बरामद की हैं आरोपी खुद भी करता है एमडी का नशा पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी कार्तिक राठौड और युधिष्ठर सिंह परबतसर नागौर के रहने वाले है, जो वर्तमान में कार्तिक राठौड़ पुलिस थाना इलाका वैशाली नगर तथा आरोपी युधिष्ठर सिंह पुलिस थाना करधनी जयपुर में किराए से रहते है। गिरफ्तार आरोपी कार्तिक राठौड़ स्वयं भी मादक पदार्थ एमडी का नशा करने का आदि है। वह हरियाणा और दिल्ली में सस्ती दरों पर अवैध शराब लाकर जयपुर में सप्लाई करता है। गिरफ्तार आरोपी युधिष्ठर सिंह भी कार्तिक के साथ काम करता है। पूछताछ में सामने आया कि मादक पदार्थ एमडी दिल्ली से साढ़े तीन हजार रुपए प्रति ग्राम के हिसाब से मंगवाकर जयपुर में छह हजार से सात हजार प्रति ग्राम हाई प्रोफाइल युवा वर्ग को सप्लाई करता है पुलिस अब यह पता लगा रही है कि यहां कौन लोग है जो इनसे एमडी मंगवाते थे। एमडी बेचने वाले सप्लायर कौन है। पुलिस पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुट गई हैं।

दोनों बहनों का तीरंदाजी अकादमी में चयन

संवाददाता मनोहर लाल पंवार

बायतु। बायतू भीमजी की दो बेटियां भगवती जाखड़ व सुमन जाखड़ का तीरंदाजी अकादमी जयपुर में चयन हुआ है,जाखड़ के पिता पूनमाराम ने बताया कि मेरी दोनों बेटियां तीरंदाजी बालिका अकादमी में चयन हुआ है,यह सुनकर बहुत खुशी हुई कि बाड़मेर जिले की दो बेटियां जिले और राज्य का नाम रोशन करेगी, भगवती बीए में प्रथम वर्ष की छात्राएं सुमन दसवीं की छात्रा है।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर वार्ड नं 26 के पार्षद दिनेश कावट और उनकी टीम ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मुरलीपुरा में साफ सफाई व वृक्षारोपण किया

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर विद्याधर नगर के वार्ड नं 26 से पार्षद दिनेश कावट और उनकी टीम ने मिलकर मुरलीपुरा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में साफ सफाई व वृक्षारोपण किया जिसमें स्कूल के छात्र छात्राओं ने भी हिस्सा लिया साथ ही स्कूल के प्रिंसिपल रचना जी, देवाराम जी और भारत पेट्रलियम गैस की टीम और उनके सीनियर मैनेजर अरविंद जी व आदि सदस्य मौजूद रहे।

सच्चा गुरु वही जो अच्छा ज्ञान दे - बलवीर छिल्लर

विलक्षण संत महंत प्रभातीनाथ बुक का जिला प्रमुख ने किया विमोचन

❒ मरूधर आवाज

(अमित शर्मा) खैरथल। खैरथल सच्चा गुरु वही जो अच्छा ज्ञान दे यह कहना है अलवर जिला प्रमुख बलवीर छिल्लर का जो निकटवर्ती गांव पेहल के अनंत श्री गोरक्षनाथ आश्रम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के सत्संग में विलक्षण संत महंत प्रभातीनाथ बुक के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे ।जिला प्रमुख बलवीर छिल्लर ने कहा कि अच्छा गुरु अच्छे मार्ग पर चलना शिष्यों व समाज को सिखाता है जिससे की उनके जीवन में प्रकाश हो और वो उन्नति करें ।इस अवसर पर पेहल के अनंत श्री गोरक्षनाथ आश्रम के महंत प्रभातीनाथ महाराज ने श्रद्धालुओं को आशीर्वचन देते हुए कहा कि अंत समय में गुरु का बताया मार्ग ही मुक्ति का साधन है । महंत प्रभातीनाथ महाराज ने कहा कि यह दिन गुरु के समक्ष अपनी कृतज्ञता प्रकट करने का दिन है ।गुरू पूर्णिमा की पूर्व रात्रि में आयोजित भव्य सत्संग में आरआर कॉलेज अलवर के प्राचार्य डॉ. हुकम सिंह निर्भय द्वारा लिखी गई बुक विलक्षण संत महंत प्रभातीनाथ का अलवर जिला प्रमुख बलवीर छिल्लर , आश्रम महंत प्रभातीनाथ महाराज और बालयोगी बालकनाथ महाराज ने श्रद्धालुओं के साथ विमोचन किया । गुरू पूर्णिमा के अवसर पर देशभर से आए श्रद्धालुओं ने गुरु गोरक्षनाथ , शिवगोरक्षनाथ , दादा गुरु श्यामनाथ , दुर्बलनाथ महाराज आदि संत प्रतिमाओ सहित महंत प्रभातीनाथ महाराज का तिलक लगाकर गुरू पूजन किया , मनोकामनाएं मांगी और भंडारे में प्रसादी ग्रहण की ।इस अवसर पर शिष्य भूतनाथ , फोटोग्राफ संघ के अलवर जिलाध्यक्ष सुनील रामेजा व लक्ष्मीनारायण सहित देश भर से आए श्रद्धालु उपस्थित रहे ।

गुरू पूर्णिमा के दिन भाजपा पदाधिकारियो ने किया गुरूओ का सम्मान

❒ मरूधर आवाज

खुशाल राम। प्रदेश भाजपा नेतृत्व व जिलाध्यक्ष देहात श्री मनोहर पालीवाल के निर्देशानुसार सेखाला मंडलअध्यक्ष श्री राम सिह व खुशाल लखानी के नेतृत्व मे भालूराजवां स्थित गौतमआश्रम मे गुरू 1008श्री गौतम महाराज का अभिषेक कर आशिर्वचन लिया व गुरूमहिमा का गायन कर संपूर्ण मंडल मे सुख शांति,धन वैभव व अच्छी बारिश की कामना की ।इस अवसर हरि सिह इन्दा ,दुर्गासिह ,देवी सिह वार्डपंच,पूर्व सरपंच प्रतिनिधि बगतभारती,लखाराम दर्जी,चन्द्रवीरसिह ,भंवरसिह चुतरसिह,बुधसिह सहीत कई भाजपा कार्यकर्ता व भगतगण उपस्थित रहे।

बिजली कम्पनियां युद्धस्तर पर जारी करे कृषि कनेक्शन: मुख्यमंत्री

दो वर्षों में 4.88 लाख कृषि कनेक्शन का लक्ष्य, कोयले के विकल्प के रूप में लिग्नाईट के उपयोग पर होगा सर्वे

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के साथ-साथ किसानों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आगामी दो वर्षों में राज्य सरकार द्वारा कुल 4 लाख 88 हजार 625 नए व लम्बित कृषि कनेक्शन जारी किए जाएंगे। सरकार द्वारा 'मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना' का भी आरंभ किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करना है। श्री गहलोत बुधवार को मुख्यमंत्री आवास पर ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के कुशल विद्युत प्रबंधन के कारण प्रदेश में भीषण गर्मी के बावजूद न्यूनतम विद्युत कटौती हुई जिससे आमजन को राहत मिली।

प्रथम चरण में 2.31 लाख कृषि कनेक्शन का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को युद्धस्तर पर कृषि कनेक्शन जारी करने के साथ-साथ गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करने के निर्देश दिए। साथ ही, सीएलआरसी (लेबर रेट कॉन्ट्रेक्ट) के ठेकेदारों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने में आ रही बाधाओं का जल्द निस्तारण करने के भी निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्रथम चरण (2022-23) के लिए 2 लाख 31 हजार 344 कृषि कनेक्शन तथा द्वितीय चरण (2023-24) में 2 लाख 58 हजार 625 नए कृषि कनेक्शन जारी करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रथम चरण में जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को 71207, जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को 90137 तथा अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को 70 हजार कनेक्शन जारी करने का लक्ष्य दिया गया है। लगभग 50 प्रतिशत कनेक्शन के कार्य टर्नकी के आधार पर और शेष सीएलआरसी के माध्यम से करवाए जाएंगे।

लिग्नाईट के उपयोग पर होगा सर्वे

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बिजली के वितरण के साथ-साथ उत्पादन और प्रसारण पर भी विशेष ध्यान दे रही है। पूरे राजस्थान में बिजली के नये ग्रिड, लाइनें तथा सब-स्टेशन विकसित कर इसके नेटवर्क को सुदृ? किया जा रहा है। साथ ही, कोयले पर निर्भरता कम करने के लिए नए विकल्प खोजे जा रहे हैं जिसमें लिग्नाईट का उपयोग सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रदेश में लिग्नाईट की भरमार है। उन्होंने लिग्नाईट को दीर्घकालिक समाधान के रूप में आंकने के साथ इसके पूर्ण उपयोग के लिए अधिकारियों को सर्वे करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से गिरल परियोजना का फीडबैक भी लिया। श्री गहलोत ने प्रदेश में स्थापित विद्युत उत्पादन इकाईयों के सुचारू संचालन और उत्पादन ब?ाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए है। आवश्यकता अनुसार उत्पादन क्षमता ब?ाई जाए। उन्होंने कहा कि घरेलू, कृषि और औद्योगिक बिजली आपूर्ति में संतुलन बनाए रखने के लिए कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री भंवर सिंह भाटी, मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा, प्रमुख शासन सचिव वित्त श्री अखिल अरोरा, प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा विभाग श्री भास्कर ए सांवत, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम श्री टी. रविकांत, संयुक्त शासन सचिव ऊर्जा विभाग श्री अतुल प्रकाश, ऊर्जा विभाग के सलाहकार श्री ए.के. गुप्ता, राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री आर. के. शर्मा तथा पॉवर ट्रेडिंग के निदेशक श्री पी. एस. सक्सेना उपस्थित थे। साथ ही, राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के निदेशक श्री अनिल ढाका, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री अजीत कुमार, जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री प्रमोद टाक एवं अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री एन एस निर्वाण वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से जु?।

राष्ट्रपति चुनाव- 2022: मतपेटी एवं चुनाव समाग्री कड़ी सुरक्षा के बीच जयपुर पहुंची, स्ट्रांग रूम में रखा सुरक्षित

❒ मरूधर आवाज

जयपुर। राष्ट्रपति चुनाव-2022 के तहत 18 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के मतदान के लिए मतपेटी (बैलेट बॉक्स), मतपत्र एवं अन्य निर्वाचन सामग्री कडी सुरक्षा के साथ बुधवार को नई दिल्ली से जयपुर लाई गई। निर्वाचन सामग्री को जयपुर एयरपोर्ट से विधानसभा परिसर स्थित स्ट्रांग रूम में लाकर क?ी सुरक्षा में सील किया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रपति निर्वाचन-2022 के लिए अधिकृत सहायक रिटर्निंग अधिकारी श्री जोगाराम, मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के विशेषाधिकारी श्री सुरेश नवल बुधवार शाम निर्वाचन सामग्री के साथ नई दिल्ली से जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे। मतदान सामग्री को भारत निर्वाचन आयोग से नई दिल्ली एअरपोर्ट तक दिल्ली पुलिस की टीम तथा आरएसी, दिल्ली द्वारा एस्कॉर्ट किया गया। श्री गुप्ता ने बताया कि आयोग के निर्देशों पर बैलेट बॉक्स के लिए हवाई जहाज में अधिकारियों के साथ एक पूरी सीट 'मिस्टर बैलेट बॉक्स' के नाम से आरक्षित की गई। इसके लिए एक अलग टिकट लिया गया। बैलेट बॉक्स को अधिकारियों की निगरानी में नई दिल्ली से जयपुर लाया गया है। उन्होंने बताया कि मतपेटी एवं निर्वाचन सामग्री के लिए आयोग द्वारा प्रदत्त प्रोटोकॉल एवं दिशा-निर्देशों के साथ सांगानेर एयरपोर्ट, जयपुर से विधानसभा भवन स्थित स्ट्रांग रूम तक पहुंचने एवं स्ट्रांग रूम में सील किए जाने की पूरी प्रक्रिया का वीडियो कवरेज किया गया। निर्वाचन सामग्री को विधानसभा सचिवालय के कक्ष संख्या 751 के अन्दर पहले से सेनेटाइज किए गए स्ट्रांग रूम में सील किया गया। उन्होंने बताया कि मतदान दिवस 18 जुलाई को प्रात: 9 बजे स्ट्रांग रूम खोलकर मतपेटी एवं अन्य मतदान सामग्री बाहर निकाली जाएगी। श्री गुप्ता ने बताया कि मतदान सामग्री की अभिरक्षा के लिए स्ट्रांग रूम के बाहर 13 जुलाई से मतदान दिवस 18 जुलाई तक राउण्ड-द-क्लॉक आर्म्स गार्ड तैनात किए गए हैं। साथ ही स्ट्रांग रूम की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि मतदान के दिन स्ट्रांग रूम की सील खोलने की वीडियोग्राफी किए जाने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि मतदान समाप्ति के पश्चात 18 जुलाई को ही अधिकृत अधिकारी मतयुक्त मतपेटी एवं अन्य मतदान सामग्री को हवाई मार्ग द्वारा नई दिल्ली ले जाकर कार्यालय रिटर्निंग ऑफिसर, राज्यसभा सचिवालय को जमा कराया जाएगा। मतपेटी एवं अन्य दस्तावेज ले जाने के लिए एक पृथक हवाई टिकट आरक्षित किया जाएगा। इस चुनाव सामग्री को नई दिल्ली एयरपोर्ट से राज्यसभा सचिवालय तक रिटर्निंग अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सुरक्षा टीम तथा आरएसी, दिल्ली द्वारा एस्कॉर्ट किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति चुनाव-2022 के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने मतदान के तीस स्थानों एवं संसद भवन में मतदान तथा मतगणना की व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए 37 पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। राजस्थान के लिए आयोग ने पर्यवेक्षक के रूप में श्री राकेश कुमार वर्मा, अतिरिक्त सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार को नियुक्त किया है। उन्होंने बताया कि मतगणना 21 जुलाई, 2022 को नई दिल्ली में पूर्वान्ह् 11 बजे प्रारम्भ होगी। विधानसभा परिसर में मतपेटी एवं अन्य चुनाव सामग्री को सुरक्षित स्ट्रांग रूम में रखने के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य निवार्चन अधिकारी श्री कृष्ण कुनाल एव उप जिला निवार्चन अधिकारी श्रीमती अमृता चौधरी भी उपस्थित रहे ।

नव-नियुक्त उप वन संरक्षक डीएफओ सोनल जोरिहार ने संभाली कमान

❒ मरूधर आवाज

महेन्द्र धाकड़/चित्तौडगढ। चित्तौडगढ में नव-नियुक्त उप वन संरक्षक (वन्यजीव) सोनल जोरिहार ने अपना पद संभाल लिया है। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जिले में कई वन्य जीव और वन संपदा दुर्लभ है। इन्हें सुरक्षित करते हुवे बढ़ाने के लिए प्रयास किया जाएगा।

4 जुलाई को राज्य सरकार ने भारतीय वन सेवा (आईएफएस) की ट्रांसफर लिस्ट जारी की थी। जिसके बाद छ्व्रस्नह्र डॉ. टी मोहनराज का ट्रांसफर बूंदी टेरिटोरियल में कर दिया गया और बूंदी की ही डीएफओ को चित्तौड़गढ़ में लगाया गया। सोनल जोरिहार ने 6 जुलाई को ही ज्वाइन कर लिया था। उन्होंने इस दौरान बस्सी सेंचुरी का दौरा किया और स्टॉफ से सारी जानकारी ली।

छ्व्रस्नह्र सोनल जोरिहार ने बताया कि उनका मुख्य लक्ष्य वन्यजीवों को बेहतर प्रोटेक्शन देने का है। जितने भी वन्यजीव है, उनको कोई हानि न हो, इसका ध्यान रखा जाएगा। इसके अलावा जो भी रेयर है, उनकी पॉपुलेशन बढ़ाने पर सबसे ज्यादा जोर दिया जाएगा।

पर भी रोक लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि यहां आने के बाद पता चला कि जंगलों से खैर की लकड़?यां चुराकर अवैध रूप से तस्करी की जाती है। इसको रोकने के लिए नाइट गश्त बढ़ाई जाएगी, जो कि जरूरत है और जितनी भी अवैध गतिविधियां है, उन पर रोक लगाई जाएगी। सीतामाता सेंचुरी में रहने वाले ट्राइबल्स को जो लाभ मिल सकें, उसकी कोशिश की जाएगी।

वन्यजीव मंडल है नया चैलेंज

डीएफओ सोनल 2011 बैच की छ्व्रस्नस् ऑफिसर है। इससे पहले उन्होंने जालौर, जयपुर, सिरोही, बूंदी में रहकर डीएफओ का पद संभाला है। लेकिन पहली बार चित्तौड़गढ़ डिवीजन में आकर वन्यजीव मंडल में डीएफओ का पद संभाल रहे है। इससे पहले चार जिलों में उन्होंने टेरिटोरियल ही संभाला है। डीएफओ सोनल जोरिहार इसे अपने लिए एक नया चैलेंज मानती है। उनका कहना है कि चित्तौड़ की एक सेंचुरी में ही घूमना हुआ है, लेकिन काफी शांत एटमॉस्फेयर देखा गया है। इसके अलावा यहां कई चीजें पर्यटकों को आकर्षित कर सकती है, उस और भी ध्यान दिया जाएगा। वन्यजीव मंडल उनके लिए नया होने के कारण वह इस पर ज्यादा से ज्यादा मेहनत करना चाहती है।

तलकाराम रांगी सर्व मेघवंश महासभा के जिला अध्यक्ष बने

❒ मरूधर आवाज

भीनमाल। राष्टीय सर्व मेघवंश महासभा के राष्टीय अध्यक्ष गोपाल डेनवाल व प्रदेश सचिव ओमप्रकाश मेघवाल उम्मेदाबाद के निर्देश पर राष्टीय सर्व मेघवंश महासभा जिला अध्यक्ष पद पर तलकाराम रांगी भीनमाल व जिला प्रभारी अतुल कुमार मेघवाल जालौर को नियुक्त किया है। तलकाराम रांगी ने कहा कि राष्टीय सर्व मेघवंश महासभा फिर से जालौर जिले में समाज को एकजुट करने व आगे बढ़ाने का सहयोग सभी मिलकर करेंगे। आप को बता दें कि तलकाराम रांगी वर्तमान में नगरपालिका से पार्षद हैं एवं जालौर जिला अभियोजन समिति के सदस्य भी है। रांगी को जिला अध्यक्ष मनोनीत करने के बाद जल्द ही वे महासभा की कार्यकारिणी गठित कर समाज सेवा का कार्य करेंगे।

सम्पादकीय

भरोसे पर टिकी मैत्री

भारत-नेपाल संबंधों में आता सुधार, 'बिग ब्रदर' रवैये को त्यागने की जरूरत पर जोर

भारत-नेपाल संबंधों की वास्तविक नींव 1950 में मैत्री संधि पर हस्ताक्षर करने के साथ रखी गई थी, जिसमें निरंतर प्रगाढ़ता देखी गई, लेकिन 2015 में आए नए संविधान में तराई के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए नेपाल पर दबाव बनाने की खातिर भारत द्वारा की गई नाकेबंदी के बाद रिश्तों में खटास आ गई। इस हिमालयी देश के विभिन्न शासनों ने भारत के साथ रिश्ते बेहतर बनाए रखे, लेकिन भारत के साथ उसके रिश्ते तब खराब हुए, जब केपीएस ओली के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट सरकार ने नया नक्शा जारी किया, जिससे लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को नेपाल के क्षेत्र के रूप में दिखाया गया। भारत ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और चेतावनी देने के अलावा इसे एकतरफा कार्रवाई बताया। इसी पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों लुंबिनी की यात्रा की थी, जो उनकी पांचवीं नेपाल यात्रा थी। इससे पहले भी 2018 में उन्होंने जनकपुर धाम की यात्रा की थी। भारत और नेपाल के बीच छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जो भविष्य में संबंधों को बेहतर बनाएंगे। इनमें 79.12 अरब रुपये की लागत वाली एरिन-वन-वी जल विद्युत परियोजना भी शामिल है। नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों के साथ भारत केसंबंधों को कमजोर करने के लिए चीन का कारक जिम्मेदार रहा है, इसलिए चीन को मात देने के लिए, जो अमेरिका की जगह महाशक्ति देश बनने की महत्वाकांक्षा पाले हुए है, भारत को चतुर कूटनीति का विकल्प चुनना चाहिए। ऊर्जा क्षेत्र में भविष्य के संयुक्त सहयोग की नींव रखना तथा देउबा और मोदी के बीच द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों पक्षों के बीच छह समझौतों पर हस्ताक्षर दोनों देशों में बिजली की मांग को पूरा करने के लिहाज से दूरगामी फैसला है। देउबा ने वेस्ट सेती हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के विकास के लिए भारत की इच्छुक कंपनियों को भी आमंत्रित किया है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने पंचेश्वर बहुउद्देश्यीय परियोजना को प्राथमिकता के साथ लेने पर सहमति व्यक्त की है, जो बड़े पैमाने पर रोजगार प्रदान कर स्थानीय लोगों की उन्नति में मदद कर सकती है। एक और पहल भविष्य के लिहाज से लाभप्रद होगी, क्योंकि दोनों पक्षों ने बुद्ध के जन्मस्थान लुंबिनी और कुशीनगर के बीच सिस्टर सिटी संबंध स्थापित करने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमति व्यक्त की है, जहां बुद्ध ने महाप्रयाण किया था। देउबा के प्रयास भारत की समान भागीदारी वाली वित्तीय और तकनीकी सहायता से जलविद्युत परियोजनाओं के जरिये विकास सुनिश्चित करने की संप्रभुता और दायित्व से निर्धारित हैं। विश्लेषकों के मुताबिक, नेपाल के विकास कार्यक्रमों में मदद के लिए अगले दो साल में काठमांडू को 56 अरब नेपाली रुपये की बड़ी सहायता घोषणा के बाद दोनों देशों के बीच रिश्ते तेजी से बढ़ रहे थे। लेकिन उसके बाद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए नेपाल के साथ बीस समझौते किए। इसके अलावा मोदी सरकार ने 2015 में जो नाकाबंदी की, उससे नेपाली जनता नई दिल्ली के खिलाफ हो गई। भारत का उद्देश्य तराई क्षेत्र (बिहार से सटे) के नागरिकों की मदद के लिए नेपाल सरकार पर दबाव बनाना था, जो उस समय बनाए जा रहे संविधान में अधिक हिस्सेदारी चाहते थे। नेपाल को भारत से अलग करने की चीन की योजना का मुकाबला करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी धार्मिक कूटनीति को आगे बढ़ाना पसंद किया, जिसे उन्होंने 2018 में सीता के गृह स्थान जनकपुर की यात्रा के जरिये शुरू की थी, ताकि नेपाल-भारत द्विपक्षीय संबंधों को ऊर्जा के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। जनकपुर की अपनी पूर्व यात्रा को याद कर हुए मोदी ने लुंबिनी में कहा भी कि %नेपाल के बिना हमारे राम अधूरे हैं, लेकिन मुझे पता है कि आज जब भारत में एक बहुत बड़ा मंदिर बन रहा है, तब नेपाल के लोग भी उतने ही खुश हैं।% बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर अपने 20 मिनट के संबोधन में मोदी ने तब कहा था, भारत और नेपाल की हमेशा से मजबूत होती दोस्ती और हमारी निकटता से पूरी मानवता को मौजूदा दौर में उभरने वाली वैश्विक परिस्थितियों में लाभ होगा। नेपाल के प्रधानमंत्री देउबा भारत को निकट पड़ोसी और विश्वस्त मित्र बता रहे हैं। लुंबिनी में उन्होंने स्पष्ट कहा था कि वह भारत स्थित बोधगया, सारनाथ और कुशीनगर को शामिल करते हुए बुद्ध सर्किट विकसित करने के लिए उत्सुक हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह देउबा और उनके भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी की आम धारणा थी, जो विगत अप्रैल में बिजली क्षेत्र में सहयोग पर एक %संयुक्त विजन स्टेटमेंट% के लिए सहमत हुए थे, जो इस ढांचे के तहत बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल (बीबीआईएन) जैसे सहयोगी देशों को शामिल कर बिजली क्षेत्र में विस्तार पर आधारित है और जो इन देशों के बीच परस्पर सहमति से होगा। विजन स्टेटमेंट के अनुसार, दोनों पक्ष नेपाल में बिजली उत्पादन परियोजनाओं के दोहन और विकास पर सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए हैं और जो दो पड़ोसियों के बीच संबंधों को और मजबूत करता है। कोई भी इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकता कि नेपाल के प्रति भारत की विदेश नीति विशेष रूप से बड़े भाई की तरह रही है, जिसने नेपाल में भारत-विरोधी भावनाएं पैदा करने में योगदान दिया था और जिस पर भविष्य में %पुनर्विचार% की आवश्यकता है, ताकि उसकी संप्रभुता की रक्षा के अलावा समानता प्रदान की जा सके, जिससे हिमालयी देश में आम लोगों की प्रशंसा मिले। दिल्ली और काठमांडू के पूर्व राजनयिक कहते हैं कि भारत को अपने दशकों पुराने दोषपूर्ण रवैये पर पुनर्विचार करना चाहिए, जो इस हिमालयी देश में भारत-विरोधी भावनाओं को पैदा करने के लिए जिम्मेदार था, क्योंकि इसने भू-राजनीतिक और आर्थिक पहलुओं पर ध्यान ही नहीं दिया। वे अपनी राय में एकमत हैं कि अधिकांश राजनेताओं और आम लोगों के बीच भारत-विरोधी भावनाओं की उत्पत्ति राणा शासन के अलावा हमारे देश की विदेश नीति से निपटने वाले लोगों, राजनेताओं और नौकरशाहों के बिग ब्रदर रवैये से हुई है, जिसे सुधारा जाना चाहिए।

> **"दिल्ली और काठमांडू के पूर्व राजनयिक कहते हैं कि भारत को अपने दशकों पुराने दोषपूर्ण रवैये पर पुनर्विचार करना चाहिए, जो इस हिमालयी देश में भारत-विरोधी भावनाओं को पैदा करने के लिए जिम्मेदार था, क्योंकि इसने भू-राजनीतिक और आर्थिक पहलुओं पर ध्यान ही नहीं**

अब गेहूं निर्यात बना भू राजनीतिक वैश्विक मुद्दा

पिछले कुछ महीनों से रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग की वजह से विश्व की खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला पटरी से उतर सी गई है। अब रूस गेहूं के निर्यात का इस्तेमाल एक भू-रणनीतिक रूप में कर रहा है। यूरोपियन यूनियन की प्रमुख उर्सला वान डेर लिएन ने कहा है कि रूस खाद्यान्न को हथियार बनाकर दुनिया की मुश्किलें बढ़ा रहा है। उधर दावोस में विश्व के प्रमुख फाइनेंसर जार्ज सोरोस ने दावा किया है कि तीसारा विश्वयुद्ध छिड़ने की आशंका अभी समाप्त नहीं हुई है। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने साफ कर दिया है कि वैश्विक खाद्य संकट सुलझाने के लिए पश्चिमी देशों को रूस पर लगे प्रतिबंध हटाना होगा। फिलहाल रूस अपने ऊपर लगे कुछ प्रतिबन्धों को हटाये जाने के बाद खाद्यान्न से लदे जहाजों को जाने की अनुमति दे रहा है। इस वक्त यूक्रेन के बंदरगाहों पर रूसी सैनिकों का कब्जा है। पिछले करीब तीन महीनों से इन बंदरगाहों से गेहूं की आपूर्ति बंद थी। इस वजह से दुनिया की लगभग एक चौथाई से ज्यादा गेहूं की जरूरत को पूरा करने वाले देश रूस- यूक्रेन से गेहूं का निर्यात बाधित है। यूक्रेन गेहूं-मक्का और सूरजमुखी के तेल का भी बड़ा निर्यातक देश हैं। अब तक रूस ने राजनीतिक कारणों से ही गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा रखा था। पर रूस के सुरक्षा परिषद के प्रमुख निकोलाई पत्रुशेव की यह चेतावनी भी अपनी जगह बरकरार है कि-यूक्रेन में युद्ध खत्म होने के अभी आसार नहीं है। उनका दावा है कि वहां युद्ध तब तक जारी रहेगा- जब तक वहां से नाजीवाद खत्म नहीं हो जाता। रूस- यूक्रेन के बीच जारी युद्ध की वजह से खाद्यान्न आपूर्ति की श्रृंखला प्रभावित हुई है। दुनिया के कई देशों में पेट्रोलियम पदार्थों और खाद्य पदार्थों की कीमतें भी आसमान छू रही हैं। विश्व व्यापार संगठन इसके लिए उन इक्कीस देशों को जिम्मेवार बता रहा जिन देशों ने खाद्य पदार्थों के निर्यात पर पाबंदी लगा रखी हैं। विश्व व्यापार संगठन के महानिदेशक गोजी ओकोंजो को उम्मीद है आगामी जून में विश्व व्यापार संगठन की बैठक में इस मुद्दे पर गंभीरता से चर्चा होगी। शायद खाघ पदार्थों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध हटाने के बाबत कुछ गुंजाइश बने।

भारत पर गेहूं निर्यात की पाबंदी: भारत पर भी गेहूं निर्यात से पाबंदी हटाने का दबाव जी-7 और अमेरिका समेत दुनिया के कई देश बना रहे है। हालांकि गेहूँ के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी एक फीसद से भी कम है। फिलहाल भारत के पास इतना बफ़र स्टॉक है कि वह अपनी खाद्यान्न जरूरतों को पूरा करने के अलावा एक करोड़ टन गेहूं का निर्यात कर सकता है। इस साल मार्च के तीसरे सप्ताह तक भारत अपने पड़ोसी देशों को

लगभग सत्तर लाख टन गेहूं निर्यात कर चुका है। इसमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी बांग्लादेश, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात की है। भारत को गरीब अन्न कल्याण योजना के तहत अस्सी करोड़ लोगों के पेट भरने की चिंता भी है और अपने पड़ोसी देशों के साथ गेहूं निर्यात के समझौते को भी बरकरार रखना है। वैसे विश्व बाजार में गेहूं के पचहत्तर फीसद से अधिक निर्यात में-रूस-यूक्रेन, अमरीका, कनाडा, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना की भागीदारी है।

गेहूं की पैदावार में कमी

भारत में इस साल पिछले साल के मुकाबले लगभग इकतीस लाख टन गेहूं की पैदावार कम हुई है। इसकी एक बड़ी वजह पिछले एक सौ बाइस साल के मुकाबले इस साल मार्च-अप्रैल महीने में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचना है। इस साल %हिटवेव% की वजह से गेहूँ दाने कम पुष्ट हुए। उन्नत किस्म के गेहूं के बीज की खोज के बाद ही कई देश गेहूं उत्पादन में आत्म निर्भर हुए और निर्यातक बनें। उन्नत गेहूं के प्रजाति की खोज का भी एक दिलचस्प इतिहास है। अमरीका में जब रूजवेल्ट राष्ट्रपति चुने गए थे, उस वक्त एक अमरीकी प्रतिनिधि मंडल मेक्सिको के राजा के राज्याभिषेक कार्क्रम में भाग लेने मेक्सिको गया। उस वक्त मक्के के अत्यधिक उत्पादन से बंजर हो चुकी जमीन पर गेहूं की पैदावार बढ़ाने के लिए अमरीका के सहयोग की जरूरत मेक्सिको को महसूस हुई। अमरीका- मेक्सिको को गेहूँ की पदावर बढ़ाने की परियोजना पर सहयोग देने के लिए राजी हो गया। अमेरिका इस परियोजना को आगे बढ़ने के लिए रॉकफेलर योजना के तहत मदद की पेशकश किया। इस योजना को पूरा करने के लिए एल्विन स्टेकमेन जिम्मेदारी दी गयी। स्टेकमेन ने अपने पुराने छात्र नॉर्मन बोरलॉग को इस परियोजना में शामिल किया। कृषि वैज्ञानिक नार्मन बोरलॉग के प्रयास से सन् 1959 में गेहूं की उन्नत प्रजाति की खोज सम्भव हुई। उस वक्त भी बोरलॉग के गुरु एल्विन स्टेकमेन गेहूँ के भू- राजनीतिक इस्तेमाल के खतरे को भाप गए थे। उन्हें आश्चर्य इस बात को लेकर हुआ कि अमरीका की इस परियोजना को मेक्सिको ने इतनी जल्दी स्वीकार कैसे किया बहरहाल इस परियोजना को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी स्टेकमेन ने नार्मन बोरलॉग को इस उम्मीद के साथ सौंपा कि तमाम कठिनाइयों के बावजूद बोरलॉग इस परियोजना को %मिशनरी जिल% से पूरा करेगें। इस प्रोजेक्ट को कितनी मेहनत करके बोरलॉग ने पूरा किया। इसका विस्तृत विवरण सुषमा नैथानी की हाल ही में नेशनल बुक ट्रस्ट% से प्रकाशित पुस्तक- अन्न कहां से आता है में भी उपलब्ध है। एक कृषि वैज्ञानिक के साथ-साथ मिनसेटा विश्वविद्यालय के पहलवान रहे बोरलॉग सन् 1944 में मेक्सिको पहुंचे।

शटल ब्रीडिंग प्रक्रिया

दो साल के अंदर मेक्सिको के दो भिन्न जलवायु वाले इलाके में %शटल ब्रीडिंग% के जरिए जो मुकाम वे हासिल किए। उससे उनके प्रतिद्वंद्वी कृषि वैज्ञानिकों में भी ईर्ष्या पैदा होने लगी। वे बोरलॉग को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से %शटल ब्रीडिंग% को समय और संसाधनों की बर्बादी करार रहे थे। बोरलॉग ने अपना प्रयोग रोकने के बजाय अपने इस्तीफे की पेशकश कर दिया। पर स्थानीय किसान बोरलॉग के इस प्रयोग की उपयोगिता और व्यवहारिकता से प्रसन्न थे। वे बोरलॉग के साथ खड़े थे। दरअसल बोरलॉग जिस जगह अपना प्रयोग शुरू किए-वहां नवम्बर-दिसंबर में गेहूं की बुआई हो जाती थी। अप्रैल-मई तक फसल कट जाती थी। वहीं सेंट्रल मेक्सिको में गेहूं अप्रैल-मई में बोया जाता था और फसल की कटाई अक्टूबर-नवम्बर तक हो जाती थी। बोरलॉग की %शटल ब्रीडिंग% योजना से मैदानी और पहाड़ी इलाके में गेहूँ के अच्छी पैदावार की संभावना बढ़ती गई इस वजह से मेक्सिको जो उन्नति प्रजाति के गेहूँ के खोज के पहले अपने जरूरत का करीब पचपन फीसद आयात करता था। यह भी एक अजीबोगरीब घटना है कि जो अमरीका आज भारत पर गेहू के निर्यात पर लगे पाबंदी पर रोक हटाने के लिए दबाव बना रहा है, उसी अमरीका में गेहूं और गेहूं से बनें सामग्री पर रोक लगाने के लिए सन् 2911 से अभियान चलाया जा रहा है। प्रमुख हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर विलियम डेविस सन् 2011 में एक किताब लिखी- ह्वद्धद्द 2द्धद्दड्डह्ल ड्डद्दद्य4(व्हीट बेली)। इस पुस्तक में विस्तार से बताया गया है कि-मोटापा ,हृदयरोग, और डाइबिटिज जैसे बीमारियों की मुख्य वजह गेहूं और गेहूं से बने अन्य सामग्री हैं।

गेहूं और रोग का खतरा

इस वजह से इसे तत्काल अपने प्लेट से हटाने में ही भलाई है। डॉ विलयम इसके बदले स्माल मिलेट्स कहें जाने वाले अनाज-मसलन ज्वार-बाजरा-मक्का और चना से मिक्स आटे की रोटी और दूसरे व्यंजन खाने की सलाह दे रहे है। गेहूँ में पाये जाने वाले %ग्लूटेन प्रोटीन% को सबसे खतरनाक माना जा रहा है। गेहूँ में इसकी मौजूदगी से पेट संबंधी रोगों के लिए भी जिम्मेदार बताया जा रहा है। इसके अलावा अफरा, गैस, उल्टी, माइग्रेन और जोड़ो में तकलीफ की बीमारी की मुख्य वजह भी ग्लूटेन प्रोटीन को बताया जा रहा है। पूरी दुनिया मे ग्लूटेन प्रोटीन पर रिसर्च चल रहा है। अमेरिका में गेहूँ को लेकर एक तरह से दोहरा अभियान चल रहा है। एक तरफ गेहूँ की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए हाहाकार मची है, वहीं दूसरी तरफ गेहूँ और गेहूँ से बनें सामग्री को जितना जल्दी हो- खाने की प्लेट से अलग करने की मुहिम छिड़ी है। गेहूँ के भोजन में प्रयोग को मधुमेह-हृदय रोग-मोटापा के लिए जिम्मेदार बताया जा रहा है। अब दुनिया के सामने मुश्किल सवाल है कि- पेट की ज्वाला शांत करने और शरीर की अनेक बीमारियों से छुटकारा पाने के बीच कौन सा उपाय ज्यादा मुफीद रहेगा

देखिए सोनपरी के अनोखे घोंसले, इन पक्षियों के आगे बड़े-बड़े आर्किटेक्ट फेल

जगदीश कादिंल

क्या आपने कभी किसी चिड़िया का घोंसला देखा है। शायद देखा होगा, लेकिन क्या आपने सोनपरी चिड़िया का घोंसला देखा है। हम यकीन से कह सकते हैं कि अगर आपने सोनपरी चिड़िया का घोंसला देख लिया तो घर बनाने वाले आर्किटेक्ट को भूल जाएंगे। ये तस्वीरें सोनपरी यानि बया चिड़िया के घोंसले की हैं। हम दावा कर सकते हैं कि आप ऐसा घर बनाने की फरमाइश अपने आर्किटेक्ट से करेंगे तो वो भी सरेंडर कर जाएगा। कला का ऐसा नमूना शायद ही कोई आर्किटेक्ट पेश कर पाए। राजस्थान उत्तर प्रदेश सीमा के गांव पोहरा में ली गई सोनपरी चिड़ियों के घोंसले की ये तस्वीरें लोगों को चौंका ही नहीं रही बल्कि कुदरत के करिश्मे का अहसास करा रही हैं। आज गजेंद्र कांदिल आपको सोन परी के इन्हीं घोंसलों को दिखाने जा रहा है। आज सफर के दौरान रास्ते में यह दृश्य दिखा। जहां बेहतरीन ढंग से ये बुनकर पक्षी अनोखा घोसला बना रहा है। वैसे तो आपने मल्टी स्टोरी बिल्डिंग देखी होगी, लेकिन मल्टी स्टोरी चिडियों का घोंसला आपको पहली बार हम दिखा रहे हैं। इस चिडिया का रंग प्रजनन काल में सोने जैसा सुनहरा हो जाता है इसलिए कुछ क्षेत्रों में लोग इसे सोन-चिड़िया भी कहते हैं।

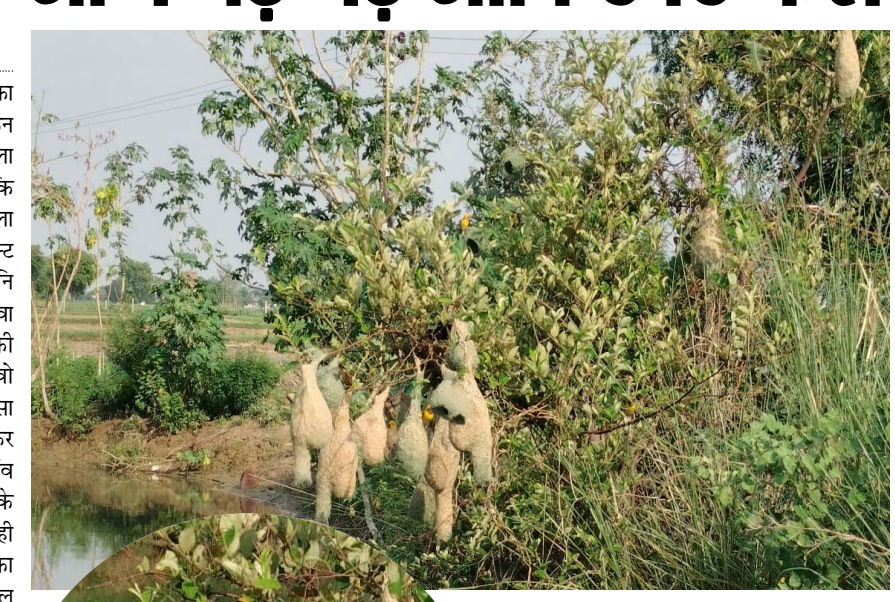

अनोखा घोंसला बना नर चिड़िया मादा को रिझाता है

बाया एक सामाजिक पक्षी है इसलिए एक पेड़ पर 60 पक्षियों के घोंसले तक देखने को मिल जाते हैं। बया पक्षी का प्रजनन काल मॉनसून के दौरान होता है। प्रजनन काल के दौरान नर बया पक्षी ही शानदार घोंसले का निर्माण करता है। इस घोंसले में अंडों को रखने के लिए एक बड़ा गोलाकार स्थान होता है, इसके साथ ही इसमें नीचे की ओर ट्यूब की तरह निकलने का रास्ता होता है। बया पक्षी इस घोसले को पत्तियों और घांस के लम्बे तिनकों से बनाता है। नर बया पक्षी एक घोंसला बनाने के लिए करीब 500 बार उड़कर लंबी घास और पत्तियां लाता है। इसके बाद ये अपनी चोंच से तिनकों और लंबी घास को आपस में बुन देता है। घोंसला पूरी तरह तैयार होने में लगभग 28 दिन का समय लगता है7 घोंसला बनाने के बाद ही नर पक्षी मादाओं को आकर्षित कर पाते हैं।

इंसान के लालच से विलुप्त हो रही सोन-चिड़िया

इंसान के लालच, खेती में हानिकारक रसायनों का अत्यधिक प्रयोग, अवैध शिकार, अंधाधुंध पेड़ों की कटाई और दूसरी मानवीय गतिविधियों के चलते सोन चिड़िया अब कम ही जगहों पर दिखती है। यही वजह है कि घोंसले के लिए सुरक्षित जगह की कमी, खराब होते वातावरण की वजह से बया पक्षी कई जगहों से पलायन कर चुका है हालांकि धौलपुर जिले में मचकुंड धाम वन विहार शेरगढ़ किला राजाखेड़ा रोड मनिया क्षेत्र में कई जगह आज भी इसके घोंसले से गुलजार रहती हैं।

फास्ट ट्रैक मोड में हो कार्रवाई

नेताओं और नौकरशाहों के भ्रष्टाचार पर लगाम लगाना बेहद जरूरी

आय से अधिक संपत्ति मामले में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला को चार साल की सजा ने नेताओं के बेलगाम भ्रष्टाचार को एक बार फिर सतह पर ला दिया है। चौटाला पर आय से 189 गुना ज्यादा पैसा कमाने का आरोप लगा था। इससे यही पता चलता है कि नेता सत्ता का कितना मनमाना इस्तेमाल करते हैं। भ्रष्टाचार का यह दूसरा मामला है, जिसमें चौटाला को सजा सुनाई गई है। इसके पहले उन्हें शिक्षक भर्ती घोटाले में सजा मिली थी। वह यह सजा काटकर लौटे ही थे कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में दोषी पाए गए। इस मामले में सीबीआइ ने उनके खिलाफ 2010 में आरोप पत्र दायर किया था। कायदे से इसके निस्तारण में इतनी देर नहीं लगनी चाहिए थी। यदि नेताओं और नौकरशाहों के भ्रष्टाचार पर लगाम लगानी है तो सबसे पहले तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उनके मामलों की सुनवाई न केवल प्राथमिकता के आधार पर हो, बल्कि कहीं अधिक तेजी से हो। ऐसा करके ही भ्रष्ट नेताओं और नौकरशाहों को सही संदेश दिया सकेगा। उचित यह होगा कि केंद्र सरकार और सीबीआइ, ईडी सरीखी उसकी एजेंसियों के साथ न्यायपालिका इसके लिए किसी ठोस व्यवस्था का निर्माण करे कि नेताओं के भ्रष्टाचार के मामलों का निपटारा एक सीमित अवधि में हो। यह ठीक नहीं कि कई बार विशेष अदालतों में भी ऐसे मामलों का निपटारा होने में अनावश्यक देरी होती है। एक समस्या यह भी है कि यदि कभी निचली अदालतों की ओर से समय पर फैसला सुना दिया जाता है, तो उच्चतर न्यायपालिका की ओर से तत्परता नहीं दिखाई जाती। परिणाम यह होता है कि अंतिम फैसला आने में एक-डेढ़ दशक लग जाते हैं। इस बीच भ्रष्टाचार में आरोपित नेता जमानत पाकर बाहर आ जाते हैं और जनता के बीच यह कहकर उसकी हमदर्दी हासिल करने की कोशिश करते हैं कि उन्हें झूठे आरोप में अथवा राजनीतिक बदले की भावना से फंसाया गया है। कई बार जनता उनके झांसे में भी आ जाती है। यह ठीक है कि मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद केंद्र सरकार के स्तर पर भ्रष्टाचार पर एक बड़ी हद तक लगाम लगी है, लेकिन यही बात राज्यों के स्तर पर नहीं कही जा सकती। इसलिए नहीं कही जा सकती, क्योंकि आए दिन किसी न किसी नेता के खिलाफ सीबीआइ अथवा ईडी की कार्रवाई की खबरें आती ही रहती हैं। कुछ राजनीतिक दल तो अपने मंत्रियों के भ्रष्टाचार को लेकर इतने ढीठ हो गए हैं कि उनकी गिरफ्तारी के बाद भी उनसे त्यागपत्र मांगने की जरूरत नहीं समझते। जब ऐसी स्थिति हो तब नेताओं के कामकाज की गहन निगरानी करने और उनके भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर कदम उठाने की आवश्यकता है।

गीतांजलि श्री : लेखन एक यात्रा होती है दुनिया के लिए ही नहीं अपने आपको जानने की

मेरी किताब को बुकर मिला, बेशक मुझे इसकी खुशी है, लेकिन उससे भी ज्यादा खुशी इस बात की है कि इस बार यह एक हिंदी किताब को मिला है। यह हम सबकी साझा खुशी है। मेरी पृष्ठभूमि साहित्य की नहीं थी, न ही मैंने हिन्दी साहित्य का अध्ययन व्यवस्थित रूप से किया। मैं इतिहास की विद्यार्थी थी और तीस साल की उम्र तक मेरा लेखक मेरे भीतर ही कहीं गुम था। जिंदगी की और तमाम उलझनें थीं। युवावस्था का उत्साह, पुरानी मान्यताओं से अकुलाहट, कुछ नया करने की इच्छा और साथ ही अपने भविष्य की चिंताएं भी। औपचारिक पढ़ाई के दौर के आखिर में जाकर मैंने ठान लिया कि मुझे लिखना है। इसके बाद तो जैसे बांध टूट गया, खूब लिखा गया। लोगों ने सराहा भी,

आलोचनाएं भी हुईं। लेकिन जैसे एक रास्ता हमवार होना शुरू हो गया। संतोष मिला।

उत्तर प्रदेश की पैदाइश है और हिंदी पट्टी के कई शहरों में रहने का, सीखने का मौका मिला। पिता सरकारी नौकरी में थे, उनका तबादला होता रहता था, सो उनके साथ यहां-वहां रहते हुए हिंदी को करीब से जाना। जिया। मेरा पहला उपन्यास 'माई' बहुत सहज ढंग से लिखा गया। धीरे-धीरे उसने पाठकों के बीच, हिंदी पढ़ने-लिखने वालों के बीच अपनी एक जगह बनाई। 'रेत-समाधि' के साथ मैंने एक लंबा अरसा बिताया है। तकरीबन आठ साल। लिखने से पहले मैं कोई फार्मूला नहीं बनाती, न ऐसा कोई खाका होता है, कि उपन्यास में यहां यह डालना है, वहां यह करना है। यह दरअसल एक यात्रा होती है। एक तरफ आप अपने पात्रों को रच रहे होते हैं, उन्हें खोल रहे होते हैं, वहीं आपके पात्र, आपका पाठ, आपकी भाषा आपको भी रच रहे होते हैं, खोल रहे होते हैं। लिखना सिर्फ अपने जाने हुए को दुनिया को बताना नहीं होता, अपने आपको जानने की प्रक्रिया भी होता है।

आप लिखने बैठ जाते हैं, कहानी जब अपनी आत्मा को पा लेती है, अपने केंद्र को जान लेती है, तो आपके किरदार ही बताने लगते हैं कि आप कहां जाएं, किधर जाएं, दाएं या बाएं। मेरी रचना अपना आरंभ खोजती है। फिर उस रूह की तलाश में निकलती है, जो आखिरकार मेरी कलम की मार्गदर्शक बनती है। 'रेत-समाधि' ने जब अपनी लय पकड़ी, तो हर कृति की तरह बहुत कुछ उसने खुद ही तय किया। मैं लिखती रही। कुछ चीजें एक क्षण में आ गईं, कुछ चीजों ने बहुत मेहनत भी करवाई। मैंने कभी यह कल्पना नहीं की थी कि मुझे इस किताब पर दुनिया का इतना बड़ा पुरस्कार मिलेगा।

आसींद चेयरमैन देवीलाल साहू ने महंत श्री सुरेश दास जी महाराज का आशीर्वाद लेकर मनाया गुरु पूर्णिमा को त्योहार के रूप में

आसींद से मुकेश रेगर की रिपोर्ट

❐ मरूधर आवाज

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर देवीलाल साहू ने सवाई भोज मंदिर में माथा टेक कर वह महंत श्री 1008 सुरेश दास जी महाराज को श्रीफल व चादर भेंट कर लिया आशीर्वाद महाराज श्री व पूर्व विधायक रामलाल गुर्जर द्वारा आशीर्वाद रूप में चेयरमैन देवीलाल साहू को साफा बंधा कर दीया आशीर्वाद वही इस दिन को गुरु पूर्णिमा को धूमधाम से मनाया गया। बताया कि गौतम बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त करने के बाद इसी दिन अपना पहला उपदेश दिया था। गुरु पूर्णिमा भारत के साथ – साथ नेपाल और भूटान में भी मनाया जाता है। इस दिन 2,500 से अधिक वर्ष पहले गौतम बुद्ध ने शिक्षक बन कर सारनाथ में अपने पांच सहयोगियों को अपना पहला उपदेश दिया था, जो बाद में उनके अनुयायी बन गए। पूर्व विधायक रामलाल गुर्जर ने बताया आज के दिन हमें अपने माता पिता को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लेना चाहिए। मैंने भी आरती और तिलक लगाकर आशीर्वाद लिया। मौके पर पूर्व विधायक रामलाल गुर्जर ,पूर्व डेयरी चेयरमैन छोगालाल गुर्जर ,रामचंद्र पायलट, हिंदू राम गुर्जर ,फोजमल गुर्जर एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मनोज शर्मा भाजपा किसान मोर्चा के अजमेर संभाग प्रभारी नियुक्त

❐ मरूधर आवाज

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हरिराम रणवां और प्रदेश मीडिया प्रभारी गौरी कुमावत ने अपनी टीम की निम्नवत घोषणा में भीलवाड़ा से मनोज शर्मा को अजमेर संभाग प्रभारी नियुक्त किया है।

उपखण्ड अधिकारियों ने इन्दिरा रसोई केन्द्रों का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता जांची

❐ मरूधर आवाज

जालोर भीनमाल। जिला कलक्टर निशांत जैन के निर्देशन में उपखण्ड अधिकारियों ने जिले के नगरीय निकायों में संचालित इन्दिरा रसोई केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता जांची एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। राज्य सरकार द्वारा ''कोई भूखा न सोये'' के संकल्प के तहत जिले के नगरीय निकायों में संचालित इन्दिरा रसोई केन्द्रों में रियायती दर पर आमजन को पौष्टिक व गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध करवाया जा रहा हैं। जिला कलक्टर निशांत जैन के निर्देशानुसार इन्दिरा रसोई योजना की प्रभावी मॉनिटरिंग व भोजन की गुणवत्ता जांचने के लिए जालोर, भीनमाल व सांचौर नगरीय निकायों में संबंधित उपखण्ड अधिकारियों द्वारा इन्दिरा रसोई केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान जालोर उपखण्ड अधिकारी दिनेशचन्द धाकड, भीनमाल उपखण्ड अधिकारी जवाहरराम चौधरी व सांचौर उपखण्ड अधिकारी शैलेन्द्र सिंह चारण ने इन्दिरा रसोई केन्द्रों पर स्वयं भोजन कर गुणवत्ता जांची एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन कर आवश्यक निर्देश दिए साथ ही उपखण्ड अधिकारियों द्वारा नगरीय निकायों में प्रस्तावित नवीन इंदिरा रसोई केन्द्रों के लिए चिन्हित स्थलों पर कार्य प्रगति को देखकर आवश्यक निर्देश दिये गये।

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में पित्त की थैली से निकाली पथरी

50 वर्षीय अजन देवी को पथरी के दर्द से मिली राहत

जालोर सांचोर। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजनान्तर्गत जालोर जिले के सांचौर स्थित बी.लाल हॉस्पीटल में 50 वर्षीय महिला अजन देवी की पित्त की थैली से नि:शुल्क ऑपरेशन कर लगभग 100 से अधिक छोटी-छोटी कंकडनुमा पथरी निकाली गई। अजन देवी पिछले चार वर्षों से पित्त की थैली में पथरी से दर्द से परेशान थी तथा आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण पथरी का ऑपरेशन नहीं करवा पा रही थी। जब उन्होंने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना के बारे में सुना तो उसने सांचौर स्थित बी.लाल हॉस्पीटल में जाकर योजना के तहत पथरी का ऑपरेशन करवाने की बात कही जिस पर उनका जनरल एवं लेपरोस्कोपिक सर्जन डॉक्टर मनीष कुमार चौधरी द्वारा अत्याधुनिक तकनीक द्वारा बिना चीरे दूरबीन (लेपेरोस्कोप) द्वारा नि:शुल्क ऑपरेशन कर पित्त की थैली से लगभग 100 से अधिक छोटी-छोटी कंकडनुमा पथरी निकाली गई। डिडावा सेडवा बा?मेर की रहने वाली अजन देवी नि:शुल्क ऑपरेशन के बाद एकदम स्वस्थ है व प्रसन्न है। उन्होंने मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना की प्रशंसा करते हुए राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार जताया।

दुष्कर्म के मामले में सहयोगी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हिंदू संगठन हुआ एकत्रित

प्रशासन रहा अलर्ट मोड पर, गुलाबपुरा पूर्व चेयरमैन धनराज गुर्जर ने सभा को संबोधित करते हुए 15 दिवस का दिया अल्टीमेटम

आसींद से मुकेश रेगर की रिपोर्ट

आसींद कस्बे मैं मंगलवार को हुई घटना के बाद पुलिस प्रशासन के द्वारा मुख्य आरोपी अजीज हकीम को गिरफ्तार कर लिया गया7 वहीं आज हिंदू समाज के अग्रिम संगठनों ने आसींद थाना परिसर के बाहर पहुंचकर शेष आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पुलिस के आला अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा7 जिसमें बताया कि आसींद कस्बे में संचालित जिया पैलेस होटल को तुरंत प्रभाव से सीज किया जाए, वही ज्ञापन में बताया कि उक्त होटल में कई प्रकार की अवांछित गतिविधियां संचालित होती है प्रशासन को कई बार अवगत करवाया गया था7 दुष्कर्म मामले में सम्मिलित आरोपियों को गिरफतार कर कठोर कार्यवाही की जाए तथा इनका मामला फास्ट ट्रैक अदालत में चलाया जाए तथा बाकी बचे आरोपियों की शीघ्र ही गिरफ्तारी की जाए वही अग्रिम हिंदू संगठन के पदाधिकारियों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए बताया कि आगामी 15 दिवस में यदि आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो हिंदू समाज के द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा। कस्बे की सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंचल मिश्रा गोवर्धन लाल सहित जिले भर के आला प्रशासनिक अधिकारी रहे

मौके पर उपस्थित कस्बे में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले के 13 थाना अधिकारी आसींद में डाले हुए डेरा ज्ञापन के बाद पुलिस थाना आसींद ने कार्यवाही करते हुए शाम तक लड़की से गैंगरेप मामले मे दो अभियुक्तौ को किया गिरफ्तार। दिनांक 12 /7/ 2022 को दोपहर को कॉलेज में परीक्षा देकर बाजूदार रोड चुंगी नाका आसींद की तरफ अपने गांव जाने के लिए लौट रही थी कि अभियुक्त मोहम्मद अजीज द्वारा प्रांतीय को मारुति स्विफ्ट रजि रू॥01॥6094 मैं होटल में ले जाकर गैंग रेप करना आदि घटना के संबंध में थाना हाजा पर प्रकरण संख्या 185 /2022 धारा 342 /376डी में दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया।

घटना का खुलासा

मामला महिला संबंधी रे गैंगरेप का होने से मामले की गंभीरता का कानून व्यवस्था को देखते हुए श्रीमान पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा आदर्श सिद्धू ने प्रकरण को श्री लक्ष्मण राम आरपीएस व्रत अधिकारी आसींद के जिम्मे कर शीघ्र अनुसंधान करते हुए निरीक्षण घटनास्थल किया जाकर सीसीटीवी फुटेज कॉल डिटेल विश्लेषण व अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मुख्य अभियुक्त अजीज मोहम्मद कोपहलुओं पर बारीकी से अनुसंधान किया जा रहा है

गिरफ्तार सुधा अभियुक्त

1.अजीज मोहम्मद पिता मोहम्मद हकीम उम्र 30 साल निवासी खटोला थाना आसींद जिला भीलवाड़ा राजस्थान 2. अब्दुल कलीम पिता अब्दुल कलाम उम्र 30 साल निवासी जामा मस्जिद आसींद थाना आसींद जिला भीलवाड़ा राजस्थान

आरएलपी जिला अध्यक्ष ने बाली विधानसभा का दौरा कर गुरुजनों का आशीर्वाद लिया

❐ मरूधर आवाज

आज गुरु पुर्णिमा के पावन पर्व के उपलक्ष में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के पाली जिला अध्यक्ष श्री बाबुलालजी चौधरी ने समाज निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान देने वाली सभी गुरुजनों का आशीर्वाद लिया। सर्वप्रथम गुरुदेव श्री केरा महाराज के आश्रम धणी पर गुरुदेव का स्वागत कर आशीर्वाद लिया। वहाँ पर युवा साथी कार्यकर्ताओं द्वारा माला और साफा पहनाकर स्वागत किया गया। उसके बाद कोटेश्वर महादेव लाहरा भाकर और श्री छोटू महाराज के आश्रम दांतीवा?ा पहुँच गुरुदेव का आशीर्वाद लिया। फिर केसूली ग्राम में श्री करूणा दास जी महाराज की धुणी पहुँच गुरुदेव का आशीर्वाद लिया, साथ जी केसूली में आयोजित अखिल भारतीय जणवा समाज के 12 वें रक्तदान शिविर में भाग लिया।

श्रृंग ऋषि जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया, भगवा वाहन रैली में उमड़ी भीड़

❐ मरूधर आवाज

भीलवाडा। सुखवाल समाज के आराध्य देव भगवान श्रृंग ऋषि का जन्मोत्सव आज पूरे समाज के लोगों ने ब? ही धूमधाम से मनाया ।समिति के अध्यक्ष नारायण लाल व्यास ने बताया कि सभी संगठनों ने मिलकर इस बार जन्मोत्सव को एक साथ मनाने का निर्णय लिया इसके लिए श्रृंग ऋषि महोत्सव समिति का गठन भी किया गया जिसके बैनर तले तीन दिवसीय समारोह का आयोजन किया गया। रात को सुंदर कांड में भी समाज के लोगो व महिलाओं ने भजनों का जमकर आनंद लिया। जन्मोत्सव को लेकर लोगो मे कुछ अलग ही उत्साह देखने को मिला। मीडिया प्रभारी लोकेश तिवारी ने बताया कि सुबह युवा प्रकोष्ठ के नेतृत्व में चारभुजा नाथ मंदिर सुभाष नगर से भगवा वाहन रैली प्रारम्भ हुई। रैली में क्या महिलाएं ,क्या बु? सभी ने सिर पर भगवा साफे बांध रखे थे। रैली का जगह जगह समाज के लोगो ने पुष्पवर्षा कर व ठंडाई, शर्बत,आइसक्रीम आदि खिलाकर स्वागत किया गया। रैली परशुराम सर्किल, रेलवे स्टेशन चौराहा, सूचना केंद्र, कोतवाली सहित विभिन्न मार्गों से होती हुई

आजाद नगर सुखवाल युवा संस्थान पहुँची। जन्मोत्सव समिति सचिव प्रह्लाद ओझा ने बताया कि सुबह सभी संस्थानों में ऋषि राज की पूजा कर हवन व यज्ञ किया गया। दोपहर में समाज के प्रतिभावान बच्चों का सम्मान मोमेन्टो, प्रशस्ति पत्र, केसरिया दुपट्टा व माला पहनाकर किया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य अतिथियों की मौजूदगी में जन्मोत्सव में अंशदान देने वाले समाज के भामाशाहों का भी सम्मान किया गया। बारिश के बाद शाम को समाज के सभी परिवारों ने सामूहिक महाप्रसाद में भोजन का भी जमकर आंनद लिया।

गुरु पूर्णिमा पर गुरुजन का किया भाजपा महिला मोर्चा ने अभिनंदन

❐ मरूधर आवाज

भीलवाड़ा । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के निर्देशानुसार, जिला अध्यक्ष लादू लाल तेली के आदेशानुसार, गुरु संजय कृष्ण जी महाराज, प्रकाशानंद जी महाराज, रामनारायण जी महाराज, व संतो को श्रीफल भेंट कर ऊपरना पहना कर उनका आशीर्वाद लिया, जिला मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि इस अवसर पर प्रताप मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष मधुबाला अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुष्पा राघव, मंत्री गंगा प्रजापत ,मंत्री उज्जवला माली ,कार्यकारिणी सदस्य अनीता व्यास, शांता शर्मा उपस्थित थे

2 बाल श्रमिकों, 01 विशेष आवश्यकता वाली बालिका एवं 01 लापता मिले बालक को परिवार को सुपुर्द किया गया

करेड़ा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में स्थित जोगणिया ईंट भट्टा से रेस्क्यू किए गए 2 बाल श्रमिकों एवं 1 विशेष आवश्यकता वाली बालिका को बाल कल्याण समिति अध्यक्ष गिरीश कुमार पाण्डेय, सदस्य फारुख खान पठान, डॉ राजेश छापरवाल, सीमा त्रिवेदी, चंद्रकला ओझा द्वारा दो बालश्रमिक बालक और एक विशेष देखरेख एवम संरक्षण की बालिका को उनके पिता को सुपुर्द किए गए, जो चित्रकूट, उत्तर प्रदेश निवासी हैं,जिनको मानव तस्करी यूनिट द्वारा जोगणिया ईट भट्टा से रेस्क्यू चाइल्ड लाइन 1098 समन्वयक गौरव चतुर्वेदी और राजेश खोईवाल द्वारा समिति सदस्य फारुख पठान के समक्ष पेश किया गया था और समिति ने राजकीय किशोर गृह में आश्रय दिलाया एवं थाना प्रताप नगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में मिले साहिबगंज, झारखंड निवासी बालक को चाइल्ड लाइन कार्यकर्ता हेमन्त शिशोदिया और राजेश खोईवाल द्वारा बाल कल्याण समिति सदस्य फारुख पठान के समक्ष पेश किया था समिति द्वारा एवरेस्ट शेल्टर होम में आश्रय दिलाया इन बच्चों को उनके परिवार को सुपुर्द कर पुनर्वास किया गया

मक्का में फॉल आर्मी वर्म का आगमन, किसान बरते सावधनी

❐ मरूधर आवाज

भीलवाडा । आत्मा परियोजना के उपनिदेशक डॉ. जी.एल. चावला ने जिले के सभी कृषकों को सचेत करते हुए जानकारी दी की जो मक्का छोटी अवस्था में है उसे बचाकर रखना होगा क्योकि बरसात के दौरान सूखे की स्थिति में इसका प्रकोप ज्यादा होता है। उन्होने कहा कि फॉल आर्मी वर्म भारत में विदेश से 2018 में तमिलनाडू के शिषमोगा में प्रथम बार देखा गया यह मक्का की फसल मे सबसे ज्यादा हानि पहुंचाता है इसकी लट/लार्वा अवस्था इतनी खतरनाक है कि ये मक्का के बीच वाले तने में घुसकर उसे खोखला कर देती है जिससे पूरा पौधा नष्ट को जाता है। यह कीट अपना जीवनचक्र उचित वातावरण में 20 से 30 दिन में अपना जीवनचक्र पूर्ण कर लेता है। इस दौरान अत्यधिक प्रकोप के कारण 60 से 70 प्रतिशत तक मक्का में हानि हो सकती है। कृषक बरसात के दौरान सूखे की स्थिति में जहां भी इसका प्रकोप नजर आए तो खेत की बारीक मिट्टी/बारीक धूल को लेकर बीच वाले तने अथवा पोटे मे डाले। इस प्रकार पौधो में मिट्टी डालने से लटे समाप्त हो जायेगी, क्योकि ये लटे/लार्वा छोटे-छोटे छिद्रो से श्वसन क्रिया करती है। अत्यधिक प्रकोप की स्थिति में इमामेक्टिन बेंजोएट अथवा लेमडा साईहेलोमेथ्रिन नामक दवा का छि?काव विशेषज्ञों की राय से करे जिससे फॉल आर्मी वर्म को नियंत्रित किया जा सकता है। कृषकों को उपरोक्त सलाह देते हुए कहा कि जागरूकता एवं बीज उपचार इसका सबसे सस्ता व सरल तरीका है जिससे फॉल आर्मी वर्म को नियंत्रित किया जा सकता है। साथ ही सभी कृषक अपने स्थानीय कृषि पर्यवेक्षक एवं सहायक कृषि अधिकारी जो कि गांवो में कार्यरत हैं आदि से सम्पर्क कर प्रकोप होने पर कार्यालय को सूचित करे ताकि समय पर नियंत्रण कार्यवाही की जा सके।

एएसआई से नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी

जयपुर। एक शातिर ठग ने जयपुर में तैनात एक एएसआई के साथ सीएमओ में नौकरी लगाने के नाम पर 3 लाख 75 हजार रुपए की ठगी कर दी। हैरानी की बात यह है कि एएसआई मुकदमा दर्ज कराने के लिए मार्च 21 से थाने के चक्कर काट रहा था। आईएएस का नाम होने के कारण पुलिस ने मामला दर्ज ही नहीं किया। जिसके बाद पीड़ित गोविंद प्रजापत ने कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर 1 जुलाई को महेश नगर थाना पुलिस ने इस्तगासे से मामला दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि गोविंद प्रजापत महेश नगर थाने के सरकारी क्वॉर्टर में अपने एएसआई पिता के साथ रह रहा था। 20 अगस्त 2020 को आरोपी अलवर निवासी रविन्द्र कुमार शर्मा ने उनके सरकारी क्वॉर्टर में आकर उसे सीएमओ में कम्प्यूटर पर नौकरी लगाने का झांसा देता है। उन्होंने कहा कि आईएएस अजिताभ के पास ही नौकरी लगाने की पूरी पावर है। वह उनके बहनोई है। इस पर आरोपी पीड़ित गोविंद से ऑनलाइन और नगद दो लाख रुपए ले लेता है। कुछ ही दिनों बाद आरोपी शर्मा गोविंद को कहता है कि चपरासी की नौकरी निकली है। अगर कोई हो तो बता देना। इस पर गोविंद अपने रिश्तेदार को नौकरी लगाने के लिए रविन्द्र को एक लाख 75 हजार रुपए दे देता है।

नहीं दर्ज की शिकायत, लेना पड़ा कोर्ट का सहारा

गोविंद ने बताया कि पैसा लेने के बाद रविन्द्र कुमार शर्मा ने कुछ महीनों तक गोलियां दी। कहने लगा कि ऑर्डर निकल रहे हैं। सीएम के हस्ताक्षर होने बाकी है। कभी कहने लगा कि सीएम बीजी हैं इस लिए कुछ समय और लगेगा। इस दौरान गोविंद और उसके पिता एएसआई समझ गए की उनके साथ ठगी हो गई है। इस पर एएसआई अपने बेटे को लेकर महेश नगर थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ शिकायत दी। लेकिन पुलिस ने आईएएस का नाम होने के कारण शिकायत दर्ज नहीं की। जिस पर पीड़ित ने कोर्ट का सहारा लिया जिस पर मुकदमा दर्ज हुआ।

टाटियावास टोल प्लाजा

लापरवाह टोल प्लाजा पर बेपरवाह प्रशासन ने सड़कों पर फैला रखी है मौत की झाडियाँ....

अपने गुडाराज के बल पर टोल वसूली हो रही है, वरना राहगीरों को सुविधा तो दूर कई बार अपनी जान लाले तक पड़ जाते हैं - शेरसिंह कुमावत

ना एनएचआई अधिकारी को ना टोल अधिकारी को - ना दिखाई दे रहा है, ना सुनाई दे रहा है....

जयपुर (कमलेश शर्मा)। हजारों गाड़ी चालकों से प्रतिदिन लाखों रुपए आने वाले टोल प्लाजा पर भी असुविधाओं का टोटा होने के साथ साथ मौत का भी रिस्क हो तो वह टोल टैक्स नहीं बल्कि जबरन की गई वसूली कहलाती है।

जो वर्तमान समय में जयपुर- रींगस एन एच के हाईवे द्वारा किया जा रहा है। दरसल आमजन की सुविधाओं तथा सुरक्षा को लेकर सरकार द्वारा टोल प्रणाली लागू की गई ताकि हर आमजन लंबे सफर में टोल टैक्स देकर एक सुविधाजनक सफर तथा एक सुरक्षित सफर करते हुए अपने स्थान पर पहुंच सके लेकिन राजधानी के अंदर पनप रहा टाटिया वास टोल प्लाजा अपने बाहुबली ताकत व ऊंची रसूख के चलते बिना राहगीरों को सुविधा दिए टोल वसूलने का काम कर रहा है आपको बता दें कि कई बार टोल की सुविधाओं को लेकर राहगीरों ने टोल प्रशासन को चेताने का काम किया है। जंहा कई बार टोल कर्मचारियों ने गुडागर्दी दिखाते हुए मारपीट तक की है। लगातार खबर प्रकाशन के माध्यम से एनएचआई पर लगे अवैध कटों से हो रही मौत को लेकर टोल प्रशासन को कई बार चेताने का काम किया गया है, लेकिन टोल प्रशासन के कानों तले आज तक जो तक नहीं रेंग पाई वहीं दूसरी ओर हाइवे के टोडी मोड़ से लेकर रींगस तक सडक के बीच लगे पौधों की समय पर कटाई नहीं होने के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। जिनमें बेजुबान जानवर तो घायल हो ही रहा है साथ ही राहगीरों को भी जान- माल का नुकसान हो रहा है। आपको बता दे कि बेपरवाह टोल प्रशासन सडक के बीच लगभग 6-7 फुट घने पौधों को देखकर तो इन घने पौधों के बीच अक्सर बेजुबान जानवर विचरण करते रहते हैं, जिसके चलते आए दिन दुर्घटना होती रहती है।

शेरसिंह कुमावत

भी अनदेखा कर रहा है तो वही दूसरी ओर आमजन के द्वारा बताने पर भी अनसुना कर रहा है। गौरक्षक शेरसिंह कुमावत ने मामले को लेकर बताया कि पिछले कई दिनों से टोल पर बैठने वाले मैनेजर दिनेश पाड़े को इन पौधों की ऊंचाई को लेकर शिकायत की है लेकिन बजट ना होने का हवाला देकर पला झाड लिया जाता है। वही मामले पर गौर करें

इन का कहना है -

टाटिया वास टोल प्रबंधन के प्रोजेक्ट मैनेजर वह रेवेन्यू मैनेजरसे बातचीत के दौरान रिलायंस कंपनी के द्वारा वेंडर राजेंद्र सिंह को पेमेंट नहीं मिलने के कारण डिवाइडर पर लगे पेड़ पौधों की कटाई के लिए असमर्थता जताई साथ ही शेरसिंह कुमावत ने बताया कि टोल प्रशासन को बार-बार सूचित करने के बावजूद एक दूसरे का नाम लेकर पल्ला झाड़ रहे हैं टोडी मोड़ से लेकर रींगस तक डिवाइडर लगे बगीचे मैं7-8 फिट पौधो की हाइट हो चुकी है जिनकी कटाई पिछले 4 महीनों से नहीं हुई है,इन पौधो के बीच में से आवारा पशु अचानक निकल कर आने से रोजाना 7-8 हादसे हो रहे हैं इन हादसों में गायों की मौत का जिम्मेदार टोल प्रशासन को ठहराया है द्यअपने गुडाराज के बल पर टोल वसूली हो रही है वरना राहगीरों को सुविधा तो दूर कई बार जान के लाले तक पड जाते हैं।

शेरसिंह कुमावत, अध्यक्ष गौरक्षक दल राजस्थान

ओपन हाउस गतिविधि के माध्यम से बच्चो को दिया बाल विवाह रोकने का संदेश

जयपुर। कट्स मानव विकास केंद्र द्वारा संचालित आशा किरण सेंटर, बालाजी का खेड़ा में चाइल्डलाइन 1098 द्वारा ओपन हाउस गतिविधि की गई, गतिविधि के दौरान बच्चो को चाइल्डलाइन 1098 की जानकारी दी गई की अगर किसी बच्चे का बाल विवाह हो रहा हो, बच्चे से बाल श्रम करवाया जा रहा हो। किसकी बच्चे को इलाज की आवश्यकता हो, किसी बच्चे का शारीरिक एवं मानसिक शोषण हो रहा हो तो चाइल्डलाइन के राष्ट्रीय निशुल्क नंबर 1098 पर जानकारी दी जा सकती है। जानकारी देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाता है एवं सूचना मिलते ही बच्चे की सहायता की जाती है, साथ ही बाल विवाह के विषय के बारे में बताया गया एवं फोन टेस्टिंग के माध्यम से बच्चो से 1098 पर बात करवाई गई। ओपन हाउस गतिविधि में चाइल्डलाइन 1098 काउंसलर निर्मला पुरोहित, टीम सदस्य हेमंत सिंह सिसोदिया, राजेश कुमार खोईवाल एवं प्रतिभा अजमेरा ने बच्चो को जानकारी दी। गतिविधि में आशा किरण सेंटर की अध्यापिका संपत बैरवा ने भाग लिया।

नोटिस की आड़ में रसूखदारों को जेडीए की पनाह, अवैध निर्माण लगातार जारी...

आखिर लगातार कारवाई करने वाला जेडीए प्रशासन जोन 12 की अवैध कालोनी जनकपुरी के आगे नतमस्तक क्यों ?

जयपुर (कमलेश शर्मा)। सरकार हो या प्रशासन हो, जेडीए हो या निगम हो सभी जगहों पर एक कानून और एक नियम के दो आधार बन ही जाते हैं फिर चाहे कुर्सी पर कितना भी दबंग और ईमानदार अधिकारी क्यों ना बैठा हो उसे रसूखदारों के आगे नकमस्तक होना ही पडता है। फिर चाहे शिकायतों का पुलिंदा कितना भी बड़ा क्यों ना हो उसे बचाने की जिम्मेदारी भी उन्हीं अधिकारियों को उठानी पडती है। गौरतलब है कि पिछले कई सालों से बिना भूमि रूपांतरण व जेडीए प्रशासन की अनुमति के कटने वाली अवैध कालोनियों पर जेडीए अधिकारी रघुवीर सैनी ने पिछले कई सालों से कहर बरपा रखा है। जिसके चलते भूमाफियाओं के तो पसीने छूट ही रहे हैं, साथ ही आमजन के साथ होने वाले धोखे से भी अब राहत मिलती नजर आ रही है। दरसल भूमाफियाओं द्वारा काटी जाने वाली अवैध कालोनियों से राजस्व का नुकसान तो सरकार को होता ही था साथ ही उक्त कालोनियों को खरीदने वाली जनता के साथ भी धोखा होता था। जिस पर रघुवीर सैनी ने अब लगाम कसने की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले रखी है।लेकिन वही दूसरी ओर शहर के कुछ इलाकों में जेडीए प्रशासन की रसूखदारों पर मेहरबानी देखने को मिल रही है। जो जेडीए प्रशासन के साथ साथ जेडीए अधिकारी रघुवीर सैनी की कार्यशैली पर भी सवाल खड़ा करता है। आपको बता दे कि पिछले कई महिनों से खबर प्रकाशन व शिकायतों के बावजूद भी जोन 12 के कालवाड रोड, हातोज बस स्टैंड स्थित जनकपुरी में बड़े पैमाने पर चल रही अवैध कालोनी पर जेडीए प्रशासन ने खामोशी बरतें हुए आखें मूंद रखी है।

रसूखदारों को नोटिस देकर फी तो और अवैध कालोनियों पर पीला पंजा

आपको बता दे कि बिना जेडीए प्रशासन की अनुमति के काटे जाने वाली अवैध कालोनियों पर जेडीए प्रशासन ने पीले पंजे की मदद से एक बार नहीं बार बार पटकनी दी है। लेकिन वही दूसरी ओर रसूखदारों की झोली में झुक कर कई रसूखदारों को इसी जेडीए प्रशासन ने खुली छूट भी दे रखी है। जेडीए जोन 12 के कालवाड रोड स्थित हातोज बस स्टैंड पर जनकपुरी नाम से पनप रही अवैध कालोनी में अवैध निर्माण सरेआम चालू है। जेडीए प्रशासन का कहना है कि हमने इस संबंध में सभी संबंधित लोगों को अधिनियम धारा 32 व 33 के नोटिस जारी कर रखे है। ऐसे में अब गौर करने वाली बात यह है कि आखिर इतने दिनों से जेडीए सिर्फ अवैध कालोनी को नोटिस जारी कर ही अपने आचल में किन कारणों से छुपा रखा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक भानु अरोड़ा के लिए महारानी प्रिंटर्स, 17 माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्लाट नं. 6, विजय नगर, बैनाड़ रोड, जयपुर (राज.) 302012 संपादक - भानु अरोड़ा । मो. 6367718601